स्थापित 1935
म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति

समाज विकास

एक समाज - अखण्ड समाज

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अप्रैल २०२५ • वर्ष ७६ • अंक ०४
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२१ अप्रैल २०२५; अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन, लिलुआ, हावड़ा में आयोजित हुआ। चित्र में परिलक्षित हैं राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, सांवरमल शर्मा, सज्जन बेरिवाल, अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन के प्राचार्य सरोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षकगण एवं शिक्षा सदन की प्रतिभागी छात्राएँ।

बधाई !

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष

श्री अमर बंसल

इस अंक में

संपादकीय
- राम - आनंद सिंधु सुख राशि

आपणी बात
- आओ सम्मेलन म

रपट
- संगोष्ठी
- सम्मेलन समाचार
- अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

प्रांतीय समाचार
- पूर्वोत्तर, उत्कल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड, गुजरात, पंजाब

विशेष पेज-१५

संस्कार-संस्कृति चेतना
- भारतीय नववर्ष, पाखंड
- वर्तमान काल में श्रीहनुमदुपासना की आवश्यकता एकदा खंभे से हार गए?
- प्रतिभा का निस्वार संयुक्त रहने में वृद्ध पिता को घर से मत निकालो

नए सदस्यों का स्वागत

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆ अप्रैल २०२५ ◆ वर्ष ७६ ◆ अंक ४
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	३
● **संपादकीय :** राम - आनंद सिंधु सुख राशि	७-८
● **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** आओ सम्मेलन म	९
● **रपट**	
संगोष्ठी - मारवाड़ी कहावतें हमारे पूर्वजों की सूझबूझ को दर्शाती है	११
सम्मेलन समाचार	११
अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम	१२
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक	१३-१४
विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**	
भारतीय नववर्ष, पाखंड	१५
वर्तमान काल में श्रीहनुमदुपासना की आवश्यकता	१६
एकदा खंभे से हार गए?	
प्रतिभा का निस्वार संयुक्त रहने में	१७
वृद्ध पिता को घर से मत निकालो	
● **प्रांतीय समाचार** पूर्वोत्तर, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, झारखंड, गुजरात, पंजाब, उत्कल	२०-२२,२५-२६
● **कहानी** जीवन रो उदेस – रामजी लाल घोड़ेला	२७
● **विविध**	२८
नए सदस्यों का स्वागत	२९-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

समाज की भांत-भांत की भलाई खातर आपण सम्मेलन की रचनात्मक गतिविधियां स्युं पूरा देश मं जक तरीका (नेटवर्क) स्युं काम हो रीयो ह, जकान देख'र - बांच'र भोत इ जी सोरो हुव ह।

ए सोख्युं देख'र म्हारा मन मं भी घणमान स्युं थोड़ो लिखणा को विचार आयो ह।

आपणी मायड़ भाषा क प्रचार - प्रसार खातर मं म्हारा विचार आप सिरदारां क स्यामन रखणो चाउं हूं।

१. सम्मेलन की सांऊ बड़ी कमेटी (केंद्रीय कार्यालय/सचिवालय) पूरा भारत मं आपकी शाखावां, उप-शाखावां, समितियां, उप-समितियां मं कमेटी का निर्णय, सुझाव, सूचना, विचार या जानकारियां भेजणां-मंगाणा की चिठी-पत्रीयां सीरफ मारवाड़ी समाज ताणीं ई हुव ह। कोई दूजा समाज ताणीं कोनी हुयां कर।

२. ई खातर आप सगळा सिरदारां स्युं म्हारी हाथ जोड़कर वीनती है कि, ए चिठीयां आपणी मायड़ भाषा मं भेजी जाव तो, इऊं बड़ी मायड़ भाषा की सेवा ओर कींइइ कोनी।

३. सरकारी एलकारां न, समाज की भलाई खातर, कोई मांग या कोई रकम को नुतो देणो पड़ तो, आपां मायड़ भाषा मं कोनी दे सकां। हिंदी या अंगरेजी मं ई देणो पड़ ह। कोई बात कोनी ओ जरूरी भी ह।

४. पण आपां जे आपणीं मायड़ भाषा मं चिट्ठी पत्री केंद्र स्युं प्रांत, प्रांत स्युं जिला, जिला स्युं न्यारा-न्यारा शैरां मं भेजा (सर्कुलेट) तो, एक चिट्ठी एक झटका मं, एक्क साग, संकड़ां की संख्या मं जाव ओर ओ संदेश हजारां कन एक्क साग ई पुग ज्याव।

५. ई एक चिठी को पडुतर (जबाब) सगळां को नईं तो, घणाई जणां को आपणी मायड़ भाषा मं ई आवलो।

६. चोथी या पांचवी चिठी ताणी शायद सगळां को पडुतर आण' लागलो, ओ म्हारो सोचणो ह।

७. आपां न मायड़ भाषा मं चिट्ठी लिखणा की शुरुआत केन्द्र स्युं ई करणी चइज। लिखणां मं भूल या गलती तो होसी, पण होसी तो होवो। आपां न कोई व्याकरण क चरचा की परीक्षा तो देणी कोनी।

८. इक सिवाय आप्पा एक काम ओर कर सका हां

A. बो ह प्रतियोगिता
B. पूरा 1 साल मं जका की चिठी सांऊं बढ़िया होसी, बिको घणोमान करांला
C. प्रतियोगिता न दो भागां मं बांटणों। एक-लेख, दूजो-कविता बस
D. ए दोन्युं ई भाग, सारभूत (अर्थ हीण नहीं हुणा चईज) सात्विक, पडणियां पर असर करण आळा (प्रभावकारी) कोई सिख मिलण जोगा (प्रेरणा मूलक) होणा चईज।
E. छोटी-बड़ी की सीमा या कोई पाबंदी नहीं होणी चईज। परिवर्तन तो आपी-आप धीर-धीर हु ज्यासी।
F. सम्मान का रूप मं :-

नगदी या कोई चीज ई देणी जरूरी कोनी, देणी चावो तो कोई बात कोनी # कोई सोंवणों सो प्रशंसा-पत्र या सोंवणीं सी, सर्टिफिकेट ऑफ पार्टिसिपेशन एंड मेरिट या मोमेंटो

एक ई जणां न देणी ह तो ऊपर मुजब या एक स्युं घणा न देणी चावो तो, कमेटी क बिचार सारू जो उचित हुव।

बस म्हारी तो आई अरदास ह, बाकी कमेटी को जको भी निर्णय हुव।
बांच'र जी दोरो मत करिज्यो
भुण्डों लाग' गाळी दिज्यो
चोखो लाग' ताळी दिज्यो
हळको सो मुस्का दिज्यो
म्हारो मन' कव है के, परिणाम चोखो ई मिलसी
चिठी थोड़ी बड़ी हुई ह, पण हरेक लाइण एक दुजा बिना अधूरी है। म्हारो उद्येश्य सीख या ज्ञान देणा को कोनी। मं खुद ई एक साधारण बांणियो हूं, कोई ज्ञानी कोनी, फेर बी कोई भूल-चूक या गलती हुई ह तो माफ़ करिज्यो।

– मदन धनावत - काठमांडू, बम्बई

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)

४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७

4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata-700 017

Email : aimf1935@gmail.com Phone : +91-33-4004 4089

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

O/C

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता राजनीतिक चेतना, सामाजिक उत्थान एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
शिव कुमार लोहिया
98305 53456

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
94315 82989

राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण
दिनेश कुमार जैन
98310 04542
रंजीत कुमार जालान
98975 83258
राज कुमार केडिया
94701 62200
निर्मल कुमार झुनझुनवाला
93347 20534
मधुसूदन सिकरिया
94351 06083
डॉ. सुभाष अग्रवाल
91415 00000

राष्ट्रीय महामंत्री
कैलाश पति तोदी
98300 44079

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
पवन कुमार जालान
98300 43207
संजय गोयनका
98300 31567

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
महेश जालान
87092 33060

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
केदार नाथ गुप्ता
98306 48056

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना केरल एवं सिक्किम

अ.भा.मा.स./४०/२०२५-२६ | दिनांकः ५ मई २०२५

सभी प्रादेशिक अध्यक्षों / महामंत्रियों के सादर ध्यानार्थ

राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव - चुनाव अधिकारी का मनोनयन

महोदय,

आशा है आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्न होंगे!

जैसा कि आपको विदित हैं, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की २७ अप्रैल २०२५ को कानपुर (उ.प्र.) में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में सर्वसम्मति से अधिवक्ता **श्री प्रदीप जीवराजका (कोलकाता)** को **मुख्य चुनाव अधिकारी** मनोनीत किया गया, जिसके लिए उन्होंने अपनी सहमति भी प्रदान की, साथ ही सुचारु रुप से चुनाव संपन्न करवाने हेतु सहायक चुनाव अधिकारियों की मांग भी की थी। अतः उनसे सलाह-परामर्श एवं सहमति से **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली)** एवं **श्री विनोद कुमार लोहिया (गुवाहाटी, असम)** को **सहायक चुनाव अधिकारी** मनोनीत किया गया हैं।

श्री प्रदीप जीवराजका से संपर्क सूत्र निम्नवत हैं।

Shri Pradeep Jewrajka Advocate
M/S. Jewrajka & Co.
12, Old Post Office Street, 2nd Floor
Kolkata - 700001
MB:9831109922
Email: pradeepjewrajka@gmail.com

चुनाव संबंधी आगामी सूचना अब मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रदीप जीवराजका आपको प्रेषित करेंगे।

पुनः शुभकामनाओं सहित,

भवदीय

शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रतिलिपि :

१. सभी राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण एवं राष्ट्रीय महामंत्री

२. मुख्य चुनाव अधिकारी एवं सहायक चुनाव अधिकारीगण

All India Marwari Federation | marwarisammelan.in | All India Marwari Federation

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)
४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata-700 017
Email : aimf1935@gmail.com Phone : +91-33-4004 4089

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता
राजनीतिक चेतना, सामाजिक
उत्थान एवं राष्ट्रीय एकता

- राष्ट्रीय अध्यक्ष
  शिव कुमार लोहिया
  98305 53456
- निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
  गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
  94315 82989
- राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण
  दिनेश कुमार जैन
  98310 04542
  रंजीत कुमार जालान
  98975 83258
  राज कुमार केडिया
  94701 62200
  निर्मल कुमार झुनझुनवाला
  93347 20534
  मधुसूदन सिकरिया
  94351 06083
  डॉ. सुभाष अग्रवाल
  91415 00000
- राष्ट्रीय महामंत्री
  कैलाश पति तोदी
  98300 44079
- राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
  पवन कुमार जालान
  98300 43207
  संजय गोयनका
  98300 31567
- राष्ट्रीय संगठन मंत्री
  महेश जालान
  87092 33060
- राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
  केदार नाथ गुप्ता
  98306 48056

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
विहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल
उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश
मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़
आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु
गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना
केरल एवं सिक्किम

अ.भा.मा.स./४०/२०२५-२६ दिनांक: ६ मई २०२५

श्री राजेश कुमार सिंघल
प्रादेशिक अध्यक्ष
दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
दिल्ली

विषय - आगामी सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन

महोदय,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नये सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन सम्मेलन के संविधान की धारा १६ के अंतर्गत तथा २७ अप्रैल २०२५ को कानपुर, (उ.प्र.) में आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में मिले अधिकार के तहत बनाई गई नियमावली **(संलग्न)** के अंतर्गत होगा।

अतः राष्ट्रीय संविधान की धारा १६ (३) के अनुसार, इस पत्र के माध्यम से आपके प्रादेशिक/प्रांतीय सम्मेलन से नये सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम हेतु सुझाव/प्रस्ताव आमंत्रित किया जा रहा हैं। प्रेषित वैध सुझावों/प्रस्तावों को चुनाव अधिकारी द्वारा अखिल भारतीय समिति की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न होगा।

आपसे सादर अनुरोध है कि **आपका सुझाव/प्रस्ताव, सीलबंद लिफाफे में बुधवार, २८ मई २०२५, शाम ६.०० बजे तक (हार्ड कॉपी) स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा, नीचे दिये गए पते या पर अवश्य प्राप्त हो जाये। चूँकि आपका सुझाव/प्रस्ताव गोपनीय है, अतः निम्न पते के अतिरिक्त कहीं और न भेजें।**

Shri Pradeep Jewrajka, Advocate
M/s. Jewrajka & Co.
12, Old Post Office Street, 2nd Floor
Kolkata - 700001
MB: 9831109922
Email: pradeepjewrajka@gmail.com

भवदीय

(प्रदीप जीवराजका)
मुख्य चुनाव अधिकारी

जानकारी हेतु प्रतिलिपिः-
राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण एवं राष्ट्रीय महामंत्री
संलग्न : चुनाव संबंधी नियमावली

All India Marwari Federation   marwarisammelan.in   All India Marwari Federation

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु नियमावली
(२७ अप्रैल २०२५ की कानपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में प्रदत्त अधिकारों के अनुसार स्वीकृत)

१. संविधान की धारा १६(१) के अनुसार राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन हेतु एक मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त करेगी एवं आवश्यकतानुसार २ सहायक चुनाव अधिकारियों की भी नियुक्ति की जा सकेगी।

२. नियुक्ति के पश्चात मुख्य चुनाव अधिकारी सहायक चुनाव अधिकारियों के साथ सलाह कर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की विधिवत अधिसूचना जारी करेंगे। यह सूचना सभी प्रादेशिक/प्रांतीय इकाईयों को पत्र, ईमेल, व्हाट्सअप, डाक या कुरियर के माध्यम से प्रेषित की जायेगी। सम्मेलन की वेबसाईट पर भी यह सूचना उपलब्ध रहेगी।

३. प्रत्येक प्रादेशिक/प्रांतीय सम्मेलन एक ही बार मात्र एक व्यक्ति का नाम ही प्रस्तावित कर सकेगा जो कि सम्मेलन का विशिष्टसंरक्षक/विशिष्ट/आजीवन सदस्य होना अनिवार्य होगा एवं उसकी उम्र संविधान की धारा १५(३) के अनुसार ५५ वर्ष से ज्यादा होनी चाहिए।

४. न्युनतम तीन प्रादेशिक/प्रांतीय अध्यक्षों द्वारा प्रस्तावित सदस्य ही अध्यक्षीय उम्मीदवार हो सकेगा।

५. प्रस्तावित नाम मुख्य चुनाव अधिकारी के पास पत्र, ईमेल द्वारा भेज सकते हैं लेकिन उसकी हार्ड कॉपी **दिनांकः २८ मई २०२५** को **शाम ६.००** बजे तक मुख्य चुनाव अधिकारी के पते पर प्राप्त हो जानी चाहिए। प्रस्ताव, संबंधित प्रांत के लेटरहेड पर होना चाहिए। प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव/सुझाव ही मान्य होगा एवं दिनांकः २९ मई २०२५ के बाद पहुँचे हुए प्रस्तावों पर विचार नहीं होगा।

६. दिनांकः २९ मई २०२५ को प्रांतो द्वारा प्राप्त पत्रों एवं ईमेल को मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा सहायक चुनाव अधिकारियों के समक्ष खोले जायेंगे एवं वैध प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाएगी जिसे पत्र, इमेल, व्हाट्सअप द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, प्रांतीय अध्यक्षों/महामंत्रियों एवं वैध प्रत्याशियों को सूचित किया जाएगा।

७. वैध प्रत्याशी को अपना सहमति पत्र म्ख्य चुनाव अधिकारी को दिनांकः ९ जून २०२५ तक देना होगा।

८. मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा वैध प्रत्याशियों के नाम की सुचना मिलने के बाद राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष की सलाह पर नियमानुसार अखिल भारतीय समिति की बैठक आहुत करेंगे जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन होगा।

९. मतदान की स्थिति में अखिल भारतीय समिति की बैठक उपस्थित सदस्य ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के निर्वाचन में मतदान कर सकेंगे। मतदान स्थल पर उन्हें फोटो युक्त मान्य पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। मतदान गुप्त होगा एवं एक सदस्य का एक ही मत होगा। मतदान की प्रक्रिया बैलेट पेपर के माध्यम से संपन्न होगी। चुनाव संपन्न होने के पश्चात मुख्य चुनाव अधिकारी मत पत्रों की गिनती कर यथाशीघ्र चुनाव परिणाम की घोषणा करेंगे।

१०.जिन सदस्यों का अखिल भारतीय समिति के वर्तमान सत्र का सदस्यता शुल्क (जो प्रति सत्र ५०० रुपया है) बकाया होगा वो उसका भुगतान करके ही मतदान में भाग ले सकेंगे।

११.यदि किसी कारणवश प्रस्ताव पत्र दाखिल करने के अन्तिम समय तक कोई वैध प्रस्ताव पत्र मुख्य चुनाव अधिकारी को प्राप्त नहीं होता है तो अगली अखिल भारतीय समिति की बैठक नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निर्णय करेगी।

१२. चुनाव संबंधी किसी भी प्रकार का मतभेद होने पर मुख्य चुनाव अधिकारी का निर्णय ही मान्य होगा एवं मुख्य चुनाव अधिकारी कोई भी कारण बताने को बाध्य नहीं होगा।

(प्रदीप जिवराजका)
मुख्य चुनाव अधिकारी

मुख्य मंत्री
राजस्थान

सत्यमेव जयते

अ.शा.पत्र क्रमांक/मुमं/जसप्र/2024
जयपुर, दिनांक : 16.12.2024

प्रिय श्री शिव कुमार लोहिया जी,

कोलकाता में मारवाडी सम्मेलन राजस्थान व्यक्तित्व सम्मान कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए आपका आभार।

मैं कामना करता हूं कि आपका कार्यक्रम सफल हो। शुभकामनाओं सहित।

सद्भावी,

(भजन लाल शर्मा)

श्री शिव कुमार लोहिया जी,
अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन, 4 बी, डकबैक हाउस, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता,
मो.नं. 9830553456

चिट्ठी आई है

अपने अपने परिवार में एवं समाज में बच्चों को अच्छे संस्कार देने चाहिए। बच्चों में रोज मन्दिर में पुजा करने की आदत डाले। स्कूल, कॉलेज एवं बाहर जाने से पहले अपने परिवार के बड़े लोगों के चरण स्पर्श करने की एवं हाथ जोडने की आदत लगावे जी। शाम को टाइम मिलने पर परिवार के साथ बैठ कर भजन-कीर्तन करे और हिन्दुत्व के बारे एवं गीता पुराण एवं चारो युगों के बारे में बच्चों को बताये।

– श्री ओम प्रकाश अग्रवाल
प्रांतीय अध्यक्ष
आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

राष्ट्रीय अध्यक्ष का उत्तर प्रदेश दौरा

दिनांकः २८ अप्रैल से १ मई तक राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता एवं उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोपाल तुलस्यान के साथ उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। विस्तृत रपट अगले अंक में।

राम - आनंद सिंधु सुख राशि

इस माह हम सब रामनवमी का पावन त्यौहार मनाएंगे। श्री राम भारतीय संस्कृति की आत्मा है, नैतिक मूल्यों के प्रतीक है एवं मानवता के मूर्तिमान स्वरूप। गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरितमानस किसी समय देश के अनेक भागो में बच्चा-बच्चा पढ़ता था। राम के चरित्र को आदर्श माना जाता था। हिंदी भाषी घर-घर में रामचरितमानस पुस्तक पाई जाती थी। गर्भवती महिलाओं द्वारा इस पुस्तक का स्तवन किया जाता था। राम के महत्व के विषय में कुछ विचार रामचरितमानस से ही मैं उद्धत करना चाहूंगा। सर्वप्रथम पाठकों को मैं यह याद दिलाना चाहूंगा कि मानस कोई साधारण पुस्तक नहीं है तुलसीदास जी ने कहा है कि –

रुचि महेश निज मानस राखा।
पाई सुसमय सिवा सन भाषा।

कहा गया है

बंदऊँ नाम राम रघुवर को
हेतु कृषानु भानु हिमकर को।। (बालकांड दोहा १९/१)

मैं रघुनाथ जी के उस राम नाम की वंदना करता हूँ जो कृशानु (अग्नि) भानु (सूर्य) और हिमकर (चंद्रमा) के हेतु अर्थात बीज है। बीज में सब गुण होते हैं। बीज से ही सारे वृक्ष को तथा फलों को रस मिलता हैं। अग्नि बीज 'र', सूर्य का बीज 'आ' और चंद्रमा का बीज 'म' हैं। राम नाम मे र आ और म - तीनो अवयव है। ये तीनों अवयवो का वर्णन करने के लिए कृसानु भानु और हिमकर - तीनो शब्द दिए गए हैं। हमारे संतो ने भी कहा है:

रामनाम सुमिरन करो। रिध सिद्ध याके माय - रिद्धि सिद्धि सब इस नाम के भीतर भरी हुई है।

गोस्वामी जी बालकांड के दोहा १९/२ में लिखते हैं:

विधि हरि हरमय वेद प्रान सो
अगुन अनुपम गुण निधान सो।

यह राम नाम ब्रह्मा विष्णु और महेशमय है। विधि हरि हर - सृष्टि मात्रा की उत्पत्ति, स्थिति और संहार करने वाली तीन शक्तियां है। यह राम नाम निर्गुण अर्थात सत, राजस और तमस से अतीत है और गुणो का भंडार है, दया क्षमा संतोष आदि सद्गुणों का खजाना है। नाम लेने से यह सभी अपने आप से आ जाते हैं। बालकांड दोहा १९/३ में लिखा है: **'महामंत्र जोई जपत महेसू'** - यह राम नाम महामंत्र है जिसे महेश्वर भगवान शंकर भी जपते हैं। यह राम का नाम ऐसा है, इसके गुण को स्वयं भगवान श्री राम भी नहीं गा सकते -

कहौ कहाँ लगी नाम बडाई
रामु न सकही नाम गुण गई। (बालकांड २६/८)

बाल्मीकि उलटा नाम जपने से भी सिद्ध हो गए:

उल्टा नाम जपत जग जाना
बाल्मीकि भये ब्रह्म समाना।। (अयोध्या कांड दोहा १९४/८)

राम नाम सहस्र नाम के समान हैं। भगवान शंकर के इस वचन को सुनकर पार्वती सदा उनके साथ राम नाम जपती थी-

सहस नाम सम सूनि सिव वाली
जपि जेई पिय संग भवानी।। (बालकांड १९/६)

राम का नाम रखते समय मुनि वशिष्ठ ने स्वयं कहा था-

जो आनंद सिंधु सुख राशि
सीकर ते त्रैलोक सुपासी
सो सुख धाम राम असनामा
अखिल लोक दायक विश्रामालय

तात्पर्य यह है कि जिस आनंद सिंधु के एक कण से तीनों लोक सुखी होते हैं वह राम हैं।

तुलसीदास जी ने पूरे जग को राम में देखा - **'सिया राम मय सब जग जानी'**। कबीर ने कहा -

कस्तूरी कुंडल बसे मृग ढूंढे मनमाई
ऐसे घट-घट राम है दुनिया खोजत नाही।

हमारे पूर्वजों ने राम नाम के महत्व को आत्मसात किया था। हमारा जनमानस का प्रणेता है राम नाम। इसलिए हम देखते हैं कि हमारे दैनन्दिन बोलचाल कहावतों में, अभिवादन में, सुख में, उच्छवास में, यहां तक कि मृत्यु में राम नाम छाया हुआ है। हमारे पूर्वजों ने राम नाम के महत्व को सिर्फ समझा ही नहीं राम नाम को जपने, राम नाम का सदैव स्मरण रखने का एक अभिनव तरीका भी स्थापित किया। हमारा अभिवादन 'राम राम' रहा है। जब भी हम किसी से मिलते हैं तो मिलने के लिए राम-राम बोलते हैं, जिसका उत्तर भी हमे 'राम राम' से ही मिलता हैं। इस प्रकार अगर आप एक दिन में आते-जाते, कार्य क्षेत्र में, घर में अगर ५० व्यक्तियों से मिलते हैं तो १०० बार राम नाम का उच्चारण करते हैं एवं १०० बार सुनते हैं। कहा गया है कि कलयुग में राम नाम ही कल्पवृक्ष है जिसका जाप करने से परलोक में भगवान का परमधाम प्राप्त होता है और इस लोक में सभी प्रकार से पालन एवं रक्षा होती हैं। इसी प्रकार जब हमे दुख प्रकट करना होता है तो 'हे राम' कहते हैं, कोई आश्चर्य या अफसोस प्रकट करना होता है तो 'राम राम राम' कहते हैं। हमारी कहावत में राम नाम की भरमार है यथा -

राम जी की माया कहीं धूप कहीं छाया
मुंह में राम बगल में छुरी
राम नाम जपना पराया माल अपना
जिनके रामधनी उनके कौन कमी
राम जी की चिड़िया, राम जी का खेत
खाले चिड़िया भर भर पेट

कहां राम राम कहां टें टें
राम मिलाई जोड़ी एक काना एक कौढी
राम नाम जपना पराया माल अपना।
राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट।
सांत्वना देने के लिए 'भली करेगा राम'।

हरियाणा में राम शब्द का सर्वाधिक प्रयोग होता है। अगर दुनिया कहेगी - भगवान देख रहा है, ईश्वर न्याय करेगा, राम के द्वार जाना है आदि।

हरियाणा में लोग कहेंगे –

राम देखे हैं
राम न्याय करेगा
राम के घर जाना है
राम से डर।
राजस्थानी कहावतें भी है -
हिम्मती का राम हिमायती
अंधे की माखी राम उड़ावे।

दुनिया कहेगी आराम से चल, आराम कर ले। हरियाणा में कहेंगे राम से चल, राम कर ले। जब कहीं जाना हो तो हरियाणा में गाड़ी बैठने के बाद कहेंगे चालन दे भाई लेकर राम को नाम। हरियाणा में बारिश को भी राम कहते हैं। जब बरसात होती तो कहा जाता है राम आया था। बहुत राम बरसा भाई। जब कोई हाल-चाल पूछता है तो बाकी दुनिया में रहते हैं सब बढ़िया आदि। लेकिन हरियाणा मे कहते हैं - राम राजी स, दया है राम जी की।

इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि भारतीय जनमानस के रोम रोम में राम नाम बसता हैं। हम पाश्चात्य सभ्यता से वशीभूत अनेकों भांतियां, विसंगतियां पाल ली है और पथ भ्रष्ट होते जा रहे हैं। अगर हमें हमारे जीवन में हमारी संस्कृति का पुनर्जागरण करना है तो वह राम नाम से ही प्रारंभ होगा। अपने जीवन में अधिक से अधिक राम नाम की स्थापना करें। तुलसीदास जी ने कहा है:-

तुलसी ममता राम सो समता सब संसार
राग न रोष न दोष दुख दास भए भव पार।

अर्थात इस भवसागर से पार होने का एकमात्र तरीका है कि राम से ममता रखिए और संसार से समता यानि समभाव।

जब राम नाम की स्थापना होगी तब सब कलुषित विचारधाराओं का अवसान स्वतः ही हो जाएगा। इसका एक अत्यंत रोचक उदाहरण हमें रावण के मुख से मिलता हैं। एक समय रावण देर रात तक सो नहीं पा रहा था। मंदोदरी ने उससे पूछ लिया - क्या बात है स्वामी, नींद नहीं आ रही?

रावण अपनी चिंता व्यक्त करते हुए बोला- मैंने सीता को पाने का प्रयास किया किंतु सफल नहीं हो सका।

मंदोदरी ने कहा - आपको तो रूप बदलने की विद्या आती हैं। तो क्यों ना आप श्री राम का रूप बनाकर उसके पास चले जाएं। राम रूप में तो वह आपको स्वीकार कर ही लेगी।

मंदोदरी की बात सुन रावण मंद मंद मुस्कुराए एवं कहा- तुम्हें क्या लगता है कि मैं ऐसा करके नहीं देखा। मैं जितनी बार भी राम का रूप धारण करने की कोशिश करता हूं उतनी ही बार मुझे हर पराई स्त्री में अपनी मां बहन और बेटी नजर आती हैं।

एक महात्मा जी श्रीराम नाम का अजपा जाप करते हुए जंगल के किनारे के गाँव में पहुँचे। उस समय सुबह हो चुकी थी। एक ग्रामीण से महात्मा नें पूछा "इस गाँव में कोई श्रीमान् का बेटा बीमार हैं। ग्रामीण हाँ, महाराज! नवलशा सेठ का बेटा सांकल चंद एक वर्ष से रोगग्रस्त हैं। बहुत उपचार किये पर उसका रोग ठीक नहीं होता। महात्मा जी नवलशा सेठ के घर पहुँचे सांकल चंद की हालत गंभीर थी। अन्तिम घड़ियाँ थीं फिर भी महात्माजी को देख कर माता पिता को आशा की किरण दिखी। उन्होंने महात्मा का स्वागत किया।

सेठपुत्र के पलंग के निकट आकर महात्माजी रामनाम की माला जपने लगे। दोपहर होते होते लोगों का आना-जाना बढ़ने लगा। महात्माः क्यों, सांकल चंद! अब तो ठीक हो? सांकल चंद ने आँखें खोलते ही अपने सामने एक प्रतापी सन्त को देखा तो रो पड़ा। बोला बाबाजी! आप मेरा अंत सुधारने के लिए पधारे हो। मैंने बहुत पाप किये हैं। भगवान के दरबार में क्या मुँह दिखाऊँगा? फिर भी आप जैसे सन्त के दर्शन हुए हैं, यह मेरे लिए शुभ संकेत है।' इतना बोलते ही उसकी साँस फूलने लगी, वह खाँसने लगा।

बेटा! निराश न हो भगवान राम पतित पावन है। तेरी यह अन्तिम घड़ी है। अब काल से डरने का कोई कारण नहीं। खूब शांति से चित्तवृत्ति के तमाम वेग को रोक कर श्रीराम नाम के जप में मन को लगा दे। जाप में लग जा। शास्त्र कहते हैं –

'चरितम् रखुनाथस्य शतकोटिम् प्रविस्तरम्।'
'एकैकम् अक्षरम् पूण्या महापातक नाशनम्।।'

अर्थातः सौ करोड़ शब्दों में भगवान राम के गुण गाये गये हैं। उसका एक-एक अक्षर ब्रह्महत्या आदि महापापों का नाश करने में समर्थ हैं। दिन ढलते ही सांकल चंद की बीमारी बढ़ने लगी। वैद्य हकीम बुलाये गये। हीरा भस्म आदि कीमती औषधियाँ दी गयीं। किन्तु अंतिम समय आ गया यह जानकर महात्माजी ने थोड़ा नीचे झुककर उसके कान में रामनाम लेने की याद दिलायी।

राम के जीवन का अवलोकन करने पर हम पाते हैं कि राम केवल पूजा का विषय नहीं, वे अनुकरणीय है - हर स्थिति, काल में जीवन को दिशा प्रदान करने वाले प्रकाश पुंज हैं। उनके बारे में बहुत कुछ कहा एवं लिखा जा सकता है - हरि अनंत हरि कथा अनंता। आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं को एवं घर में बच्चों को राम के विषय में उनके जीवन के विषय में जानकारी दें एवं उन्हें प्रोत्साहित करें। रामनवमी के उपलक्ष में मेरी यही सब समाज बंधुओ से प्रार्थना है कि राम को अपने जीवन में, अपने सोच में, अपने आचरण में स्थापित करें।

रामनवमी एवं राम के अनन्य भक्त श्री हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव की अनेक शुभकामनाएं।

राम राम।

आओ सम्मेलन म

आपणी बात

यह सच है सभी अच्छी चीजों का अंत होता है। साथ में यह भी सच है कि हर चीज का अपना समय होता है। १४ मई २०२३ को मैंने आप सभी के आशीर्वाद एवं शुभकामनाओं के साथ अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभाला था। इस पद को मैंने एक अवसर एवं जिम्मेदारी के रूप में वहन करने की कोशिश की हैं। इस कार्यकाल का अवसान सन्निकट है। मैं अधिक कुछ ना कह कर सिर्फ यह आपके साथ साझा करना चाहूंगा कि इस कार्यकाल मे मैंने पूरी सचेतनता के साथ अपनी भूमिका निभाने की कोशिश की हैं। मुझे पता है कि आप विलंब कर सकते हैं, समय विलंब नहीं करेगा। समय एवं समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नही करते। गौतम बुद्ध ने कहा था कि हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम समझते हैं कि हमारे पास समय है। समय का सदुपयोग करके हम अपना समय बना सकते हैं। अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होने की घोषणा हो चुकी है। यादों के झरोखों से झांक कर देखता हूं तो पाता हूं कि :

डर मुझे भी लगा था फासला देखकर
पर मैं बढ़ता गया रास्ता देखकर
खुद-ब-खुद नजदीक आती गई
मंजिल मेरा हौसला देखकर।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन जैसे राष्ट्रीय महत्व वाली संस्था में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपना योगदान देना एक गर्व की बात हैं। यह एक यात्रा है जिसे मैं आनंद के साथ पूरी कर रहा हूँ। अपने जीवन के इन दो वर्षो में अपने दायित्व निर्वहन मैंने पूरी ईमानदारी, निष्ठा, लगन के साथ करने की कोशिश की हैं। यथासंभव प्रांतो में मैं भ्रमण कर समाज बंधुओ तक सम्मेलन के संदेश को पहुंचाने का प्रयास किया हैं। साधारण समाज बंधुओ एवं शाखा स्तर के पदाधिकारीगण, कार्यकर्ताओं के साथ मैंने संपर्क स्थापित किया जो कि मेरे जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस सत्र के प्रारंभ से ही कुछ नए-नए कदम उठाए गए, कुछ नये पहल किए गए जिन का लाभ सम्मेलन को आज भी मिल रहा है एवं आने वाले समय में भी मिलता रहेगा। ज्यादा विस्तार में नहीं जाकर इस समय मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि सदस्यों के साथ द्रुत एवं सीधे संवाद के लिए, समाज विकास ई संस्करण प्रत्येक सदस्यों को पहुंचे इसके लिए प्रयास किया गया। नए शाखाओ के गठन पर जोर दिया गया। शाखाओं को उनके प्रकल्पों के लिए आर्थिक अनुदान की घोषणा की गई। समाज विकास को नए कलेवर के साथ प्रकाशित किया गया। संस्कार संस्कृति चेतना एवं समाज सुधार के कार्यक्रमों पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय कार्यालय का सौंदर्यीकरण एवं पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। फेसबुक इंस्टाग्राम का शुभारंभ हुआ। इस प्रकार अन्य बहुत सी गतिविधियां हम लोगों ने सफलता के साथ प्रयास किया है। इसका विस्तार से आगे चलकर आपके साथ में जानकारी साझा किया जाएगा। इसके अलावा सभी नियमित कार्यक्रमों को यथासंभव संचालित करने का प्रयास किया गया। उप समितियां समय-समय पर अपनी बैठक करके सभी कार्यक्रमों को गति देने के लिए तत्पर रहे।

बंधुओ जैसा कि हम जानते हैं अकेला-चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। जो भी कुछ हुआ है यह सभी के सहयोग के कारण ही संभव हो पाया है, खास कर राष्ट्रीय पदाधिकारीगण का इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा। इस यात्रा के दौरान अवश्य ही भूल चूक हुई होगी इसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से उत्तरदाई हूं। अभी जो भी समय बाकी है उसका मैं अंतिम क्षण तक सदुपयोग करते हुए अपनी भूमिका को सक्रिय रखने का प्रयास जारी रखूंगा। सम्मेलन एक विशिष्ट संस्था है। मैंने सदैव कहा है कि यह सिर्फ धन बल द्वारा नहीं खड़ा किया जा सकता। इसमें कार्यकर्ताओं का खून पसीना लगा हुआ हैं। साथ ही सरसरी नज़र पर इसका महत्व एवं इसका वास्तविक स्वरूप दृष्टिगोचर नहीं होता। इसमें समाज एवं राष्ट्र को अपना अप्रतिम योगदान देने की क्षमता है। यह क्षमता हमें कुछ प्रांतो में दृष्टिगोचर होता हैं। आवश्यकता इस बात की है कि बाकी के प्रांत भी अपने योगदान के स्तर को उठाकर संगठन को मजबूत करें। साथ ही यह भी आवश्यक है कि सभी प्रांत सम्मेलन द्वारा घोषित कार्यक्रम में ही अपनी उर्जा लगायें। समाजोपयोगी प्रकल्पों का स्वागत है, किंतु हमारा लक्ष्य कुछ और है। सभी बड़ी संस्थाओं में जैसे लायंस रोटरी आदि में घोषित केंद्रीय कार्यक्रमों को सभी इकाई संचालित करते हैं। इसी से संस्था की अपनी विशिष्ट पहचान बनती हैं। अतः इस बात का ध्यान हम सभी को रखने की आवश्यकता हैं। दो वर्षो में मैं मनसा वाचा कर्मणा एवं तन मन धन के साथ अपने जीवन के दो वर्ष समाज के लिए समर्पित किए हैं। फिर भी मैं यह सोचता हूं कि मैंने जो कुछ किया है उससे कई गुना अधिक मुझे प्राप्त हुआ हैं। सम्मेलन के साथ अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व को एक होने का उदाहरण मैं आपके साथ साझा करना चाहूंगा। सम्मेलन हमें प्रिय है कहा गया हैं। आप धर्म की रक्षा करें धर्म आपकी रक्षा करेगा। उसी प्रकार हम सम्मेलन को पुष्पित पल्लवित करें सम्मेलन हमें सामाजिक सुरक्षा, विकास, व्यक्तित्व पहचान प्रदान करेगा। सभी समाज बंधुओं से मेरा आवाहन है कि 'आओ सम्मेलन म' 'आओ सम्मेलन म'। इस पर मैंने एक गीत की रचना की है और उसे संगीतबद्ध भी किया गया हैं। यह रचना यहां दी जा रही है। आशा है आपको पसंद आयेगी। कृपया आपकी प्रतिक्रिया से मुझे अवगत करवायें। इसका उपयोग भी करें। समाज बंधुओ को जोड़ें। सम्मेलन को मजबूत बनाएं। 'सम्मेलन आपनो है आपने ही रहसी', 'बेग थान आया सरसी।'

शिव कुमार लोहिया

आओ सम्मेलन म, आओ सम्मेलन म।
भाईचारा को भाव बढ़ावा,
समाज न मजबूत बनावा
आओ सम्मेलन म, आओ सम्मेलन म।
आपा समझा-टाबरा न समझावां,
संस्कारा न फेरू अपनावा
आओ सम्मेलन म, आओ सम्मेलन म।
समाज न ऊँचो ले जावा
राजस्थानी भाषा रो मान बढ़ावा
घरा घरा म अलख जगावां।
आओ सम्मेलन म, आओ सम्मेलन म।
सम्मेलन थारो है थारो ही रहसी
बेगा थान आया सरसी
आओ सम्मेलन म, आओ सम्मेलन म।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

संगोष्ठी

मारवाड़ी कहावतें हमारे पूर्वजों की सूझबूझ को दर्शाती है : बनवारी लाल मित्तल

२१ मार्च २०२५, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने व्यापारिक प्रबंधन की सूझबूझ से भरी मारवाड़ी कहावतों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर संगोष्ठी के मुख्य वक्ता व प्रसिद्ध समाजसेवी - उद्योगपति बनवारी लाल मित्तल ने कहा कि मारवाड़ी भाषा में कई ऐसी कहावते हैं जो की आधुनिक व्यावसायिक प्रबंधन की गहरी सूझबूझ से भरी हैं। जब हम इन कहावतों में छिपे गहरे संदेश को समझते हैं तो अपने पूर्वजों के ज्ञान और समझ के प्रति खुद ही नतमस्तक हो उठते हैं। पुस्तक क्रैकिंग द मारवाड़ी कोड में इन्हीं कहावतों का ज़िक्र किया गया हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने बहुत ही कठिनाई में अपना जीवन गुजारा है लेकिन इन कठिनाई के बीच भी उनकी सूझबूझ काबिले गौर रही हैं। श्री मित्तल ने इस विषय में गहरा अध्ययन किया है और इसे पुस्तक के माध्यम से प्रकाशित किया हैं। श्री लोहिया ने कहा कि राजस्थानी भाषा की विशिष्टता को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है ताकि वे इससे लाभान्वित हो सके। गोष्ठी का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया। दिनेश जैन, पवन गोयनका, अरुण प्रकाश मल्लावत, बंशीधर शर्मा, सज्जन खण्डेलवाल, अरुण कुमार सोनी, सुशील खेतान, सांवरमल शर्मा, राम अवतार धूत, पवन लोहिया, राज कुमार सहल, राज कुमार अग्रवाल, मोहनलाल पारीक, अरविन्द मुरारका, अमित मुंधड़ा, नारायण प्रसाद अगरवाला, नन्द किशोर अग्रवाल, सजन बेरीवाल, पवन बंसल, नंदलाल सिंघानिया, गिरधारी लाल सराफ, केदार मल झवर, निशांत भालोटिया, राजेंद्र राजा, पवन कुमार पाटोदिया, अनिल कुमार मल्लावत, डॉ. महाबीर दारुका, राकेश अग्रवाल, निखिल पारीक, संजीव कुमार केडिया, नथमल भीमराजका, हर्ष कुमार शर्मा, महेश कुमार काबरा, सौरव पुरकायस्थ, सीताराम अग्रवाल व कई गणमान्य लोग इस अवसर पर उपस्थित थे।

सम्मेलन समाचार

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मृतकों को श्रद्धांजली

पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सम्मेलन कार्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि यह एक नृशंस एवं अमानवीय कृत्य है, इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम हैं। निर्दोष लोगों की हत्या कभी भी देश माफ नहीं करेगा। यह घटना देश की अस्मिता पर हमला है। पुरा राष्ट्र इस घटना से मर्माहत है। हम भारत सरकार से यह अपील करते है कि हत्यारों का पता लगाकर उन्हें समुचित सजा देने की व्यवस्था करें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित सभी सदस्यों ने दीपक, मोमबत्ती जलाकर एवं श्रद्धासुमन के पुष्प अर्पित कर मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन, प्रदीप सिंघानिया, विश्वनाथ भुवालका, पवन बंसल, अनिल मलावत, सज्जन कुमार बेरिवाल, महेन्द्र कुमार अग्रवाल, शिव कुमार बागला, सज्जन खंडेलवाल, सांवरमल शर्मा, महेश शाह, राम कुमार बिनानी, बुलाकी दास मिमाणी, विक्रम भुवालका, सिद्धांत जोशी आदि गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन में संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम

२१ अप्रैल २०२५, अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन के वातानुकूलिन सभागार में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री सरोज कुमार श्रीवास्तव, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया तथा हिंदी विभाग की अध्यापिकाएँ उपस्थित थीं। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री गणेश, माँ सरस्वती, अग्रसेन महाराज जी, भूतपूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय वासुदेव टीकमानी जी की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में कक्षा सातवीं, आठवीं एवं नवमीं की छात्राओं ने भाग लिया। बालिकाओं ने चाणक्य नीति, विदुर नीति, गीता, रामायण के विभिन्न श्लोंको पर अपना वाचन किया एवं उनपर अपने विचार रखें। जिससे पूरा वातावरण मंत्रमुग्ध हो गया। इस मौके पर इन विषयों पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के अन्त में विजेता/छात्राओं को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से पुरस्कार तथा सार्टिफिकेट प्रदान किया गया। अन्य सभी प्रतियोगियो को सम्मेलन की ओर से पुरस्कृत किया गया। छात्राओं ने बढ़ चढ़कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर शिवकुमार लोहिया जी बच्चों को संदेश देते हुए विद्या ददाति विनयं श्लोक का उच्चारण करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी नींव हैं और हमें उन्हें संजोये रखना हैं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे संस्कार संस्कृति विश्व में सर्वोत्तम रही है एवं इसी के बलबूते पर भारतवर्ष विश्व गुरु था। अंग्रेजों के आने के बाद उनकी चाल के कारण हम पाश्चात्य सभ्यता को अपनाने में लग गए एवं अपनी सभ्यता के गुणों को त्यागते गए। इस कारण हमारा पतन हुआ। हमें अपने संस्कार संस्कृति को फिर से अपनाना होगा तभी हम विश्व गुरु का पद फिर से प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने छात्राओं से अनुरोध किया कि आप भारतीय मनीषियों जैसे आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद, ऋषि अरविंद, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों के चरित्र एवं जीवनी के बारे में पढ़े और उनका अनुसरण करें। उन्होंने भगवान राम का उदाहरण दिया कि वे मर्यादा पुरुषोत्तम थे और जीवन भर अपने त्याग से सभी के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन के प्राचार्य सरोज श्रीवास्तव ने कहा कि हमें अपने संस्कारों को नहीं छोड़ना है। हम जितना भी आर्थिक रूप से प्रगति करें किंतु संस्कार हमारी बुनियाद हैं। उस बुनियाद पर हम अपने आर्थिक प्रगति का महल खड़ा करे तो अच्छा हैं। उन्होंने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का आभार प्रकट किया कि ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर उन्होंने आयोजन किया हैं। विद्यालय के प्राचार्य महोदय ने अपने वक्तव्य में छात्राओं में संस्कार संस्कृति की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया और सभी को इस विषय को लेकर जागरूक रहने की बात कही। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कानपुर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में कानपुर में दिनांकः २७ अप्रैल, २०२५ को संपन्न हुई। इस अवसर पर लोहिया ने सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं बताया कि यह बैठक सत्र २०२३-२५ की संभावित आखिरी राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक है उन्होंने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रांतीय पदाधिकारी के प्रति सत्र के दौरान सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। पूरे सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारीयों का दौरा विभिन्न प्रांतो में निरंतर चलता रहा हैं। उन्होंने कहा कि शाखाओं में इस सत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो की १५% के लगभग हैं। उन्होंने बताया कि अमृतसर में शाखा खुलने के प्रयास चल रहा हैं। अभी इस संदर्भ में पूर्व उपाध्यक्ष पवन गोयनका, लक्ष्मीपत भूतोड़िया एवं रमेश बजाज, अमृतसर ने यात्रा कर वहां के समाज बंधुओ से संपर्क एवं बैठक की है एवं शाखा खोलने के लिए अमृतसर के प्रवीण समाजसेवी सुनील गुप्ता जी को यह भार दिया हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही नई शाखा अमृतसर शुभारंभ होगी। यह भी बताया कि मध्य प्रदेश के एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर इंदौर में भी ६० के लगभग सदस्य बन चुके हैं एवं नई शाखा गठित होने जा रही हैं। उन्होंने सदस्यों का ध्यान इस बात की ओर आकृष्टकिया कि इस सत्र में पांच सूत्रीय कार्यक्रम, प्रांतो एवं शाखाओं को अधिवेशन में पुरस्कार एवं शाखाओं को उनके प्रकल्पों के लिए आर्थिक सहयोग जैसे योजनाओं की घोषणा की गई हैं। उन्होंने कहा कि २ वर्ष के कार्यकाल में जो भी कार्य हो सके हैं उनकी एक संक्षिप्त रपट सभी सदस्यों को दी गई हैं। उन्होंने कटनी के शरद सरावगी के प्रति आभार प्रकट किया कि उन्होंने इंदौर में अथक प्रयास किया हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा घोषित विभिन्न कार्यक्रमों के सभी स्तर एवं सभी शाखाओं में प्रचार-प्रसार करें ताकि सम्मेलन के कार्यकलापों में एकरूपता रहे। उन्होंने कहा समय-समय पर सभी प्रांतो को राष्ट्रीय कार्यालय की ओर से विभिन्न विषयों पर दिशा निर्देश एवं सहयोग के पत्र दिए जाते हैं उन पर ध्यान देने की आवश्यकता हैं। सम्मेलन की उज्ज्वल छवि बनाने के लिए सभी एकजुट होकर कार्यक्रमों में और गति लाने की भी आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया।

बैठक में कोलकाता में २८ दिसंबर २०२४ को आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के कार्यवृत को स्वीकृति प्रदान की गई तत्पश्चात राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने महामंत्री की रपट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के अध्यक्षता में भवन निर्माण उपसमिति भवन निर्माण के कार्य में गति लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और इस संबंध में प्लान सबमिट की जा चुकी है एवं शीघ्र ही उसके अनुमोदन के बाद भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ होने की संभावना हैं।

राष्ट्रीय महासचिव कैलाश पति तोदी ने आगामी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नियमावली प्रस्तुत की जिसको सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। तत्पश्चात विचार-विमर्श के उपरांत चुनाव अधिकारियों का चयन हुआ जिसमें प्रदीप जीवराजका, कोलकाता से मुख्य चुनाव अधिकारी एवं विनोद लोहिया, गुवाहाटी से एवं लक्ष्मीपत भूतोड़िया, दिल्ली से सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए।

संगठन विस्तार तथा प्रांतो की सक्रियता पर बोलते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया ने कहा कि गुजरात में विद्यार्थी सम्मान का कार्य चला आ रहा है किंतु वहां पर समन्वय की कमी है एवं नए शाखा की खुलने में अभी उदासीनता दिख रही

अयोध्या, लखनऊ एवं भदोही में नई शाखाओं को खोलने का प्रयास जारी हैं। महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री सुरेश जी करवा ने बताया कि महाराष्ट्र में अब सदस्यों की संख्या २०० तक पहुंच गई हैं। उन्होंने जुलाई महिने में अखिल भारतीय समिति की बैठक, जालना में आयोजित होने आतिथ्य का प्रस्ताव दिया। उन्हे कहा गया कि इस बारे में समुचित निर्णय लेकर के उन्हें सूचित किया जाएगा। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री सज्जन शर्मा ने विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान किया।

हैं। सिक्किम के विषय में उन्होंने कहा कि वहां पर संभावनाएं कम है क्योंकि हमारे समाज बंधुओ की संख्या कम हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सिक्किम को पश्चिम बंगाल प्रांत के साथ जोड़ दिया जाना चाहिए। प बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन; कोलकाता की वर्तमान स्थिती सम्मेलन के लिए चुनौती हैं। इस विषय में उन्होंने कमेटी गठित करने का सुझाव दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला ने बताया कि बिहार में १५४ शाखाओं में से प्रांतीय अध्यक्ष ने १३२ शाखाओं का दौरा कर लिया है एवं सदस्यों की संख्या ९००० पार कर गई हैं। उन्होंने बताया कि 'पधारो म्हारा देश' राजस्थान दिवस जैसे कार्यक्रम धूमधाम से पटना में मनाया जाता हैं। उन्होंने बताया कि उत्कल में नए सदस्य बने हैं एवं सदस्यों की संख्या ६१०० पहुंच गई हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार केडिया की अनुपस्थिति में उनके रपट को राष्ट्रीय महामंत्री ने पढ़कर के सुनाया। उन्होंने कहा कि झारखंड में अभी ५१०६ सदस्य हैं। छत्तीसगढ़ में अमर बंसल नए अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं एवं मध्य प्रदेश में मई २०२५ चुनाव होने की आश्वासन मिला हैं। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कैलाश काबरा ने बताया कि आगामी २ वर्षों में ४००० नए सदस्य एवं २४ नई शाखाएं खुलने का लक्ष्य हैं। शाखाओं को मजबूत करने के लिए दान पत्र का कार्यक्रम चल रहा हैं। नंदकिशोर जी अग्रवाल, अध्यक्ष पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने पिछले ७ वर्षों का संक्षिप्त इतिहास बताया एवं उन्होंने समिति गठन के सुझाव का स्वागत किया। दिल्ली मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री राजेश सिंघल ने पहलगाम हमले पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया एवं उन्होंने अपना संकल्प दोहराया की नई दिल्ली के कार्यों में विस्तार एवं गति लाई जाएगी। उत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोपाल तुलस्यान ने बताया कि अभी कानपुर में १०० सदस्य हैं और आगरा, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, आजमगढ़, गोरखपुर,

तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सभा को जानकारी दी कि आगामी कुछ दिनों में अमृतसर में नई शाखा खोलने के लिए एक बैठक होने वाली हैं। सभी सदस्यों ने संभावना पर प्रसन्नता जाहिर की एवं आशा व्यक्त की कि जल्दी अमृतसर में शाखा खुलने की प्रक्रिया संपूर्ण हो जाएगी। सभा की राय थी कि नये प्रांत के लिए १०० सदस्यों की न्युनतम संख्या है उसका पालन होना चाहिए। महामंत्री तोदी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में चुनाव हो चुके हैं एवं मध्य प्रदेश में प्रांतीय अध्यक्ष श्री सकलेचा ने मई २०२५ महीने में चुनाव संपन्न करवाने का आश्वासन दिया हैं। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रांतीय सम्मेलन द्वारा कार्यकारिणी समिति की बैठक के अतिथ्य के लिए प्रांतो को सहयोग राशि २५०००, अखिल भारतीय समिति की बैठक के अतिथ्य के लिए प्रांतो को ५०००० एवं राष्ट्रीय अधिवेशन के आतिथ्य के लिए प्रांत को ₹१००००० की सहयोग राशि राष्ट्रीय कार्यालय से प्रदान की जाएगी इसे सर्व सम्मति से पारित किया गया।

विविध के तहत राष्ट्रीय महासचिव कैलाश पति तोदी ने बताया कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय नंदकिशोर जालान की स्मृति में सम्मेलन के संगठन को मजबूत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ अवदान देने वाले महोदय/प्रांत को संगठन सम्मान की घोषणा की गई थी। इस संदर्भ में ५ लाख रुपए के अनुदान राशि फिक्स डिपॉजिट करने के लिए जालान परिवार की ओर से प्रदान की गई हैं। यह सम्मान प्रत्येक राष्ट्रीय अधिवेशन में दिया जाएगा एवं सम्मान राशि ५१००० होगी।

भारतीय नववर्ष

भारतीय संस्कृति के अनुसार हिंदु नववर्ष की शुरुआत चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा से होती हैं। हालांकि यह तिथि हर साल बदलती है और हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल हिंदू नववर्ष ३० मार्च २०२५ को मनाया जाएगा। यह दिन धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसी दिन से चैत्र नवरात्रि की भी शुरुआत होती हैं। बता दें कि हिंदू नववर्ष को हिंदू नव संवत्सर या नया संवत के नाम से भी जाता जाता हैं।

विक्रम संवत क्या है?

हिंदू नववर्ष विक्रम संवत के आधार पर मनाया जाता है और इसकी शुरुआत राजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने की थी। यह संवत अंग्रेजी कैलेंडर से ५७ साल आगे चलता है। इसे गणितीय दृष्टि से सबसे सटीक काल गणना माना जाता है और ज्योतिषी भी इसे ही मानते हैं। इस संवत में कुल ३५४ दिन होते हैं, और हर तीन साल में एक अतिरिक्त माह (अधिक मास) जोड़ा जाता है, ताकि समय का संतुलन बना रहे। बता दें कि इसे भारत के अलग-अलग राज्यों में गुड़ी पाड़वा, उगादि जैसे नामों से जाना जाता हैं। **हिंदू नववर्ष हिंदूओं के लिए क्यों है महत्वपूर्ण?**

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी। यही कारण है कि इस दिन को नवसंवत्सर के रूप में मनाया जाता हैं। इस दिन से ही चैत्र नवरात्रि शुरू होती है, जिसमें माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती हैं। वहीं, राम नवमी भी इसी महीने में आती है, जो भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती हैं।

पाखंड

टीवी पर जगत गुरु शंकराचार्य कांची कामकोटि जी से प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम चल रहा था।

एक व्यक्ति ने प्रश्न किया कि हम भगवान को भोग क्यों लगाते हैं? हम जो कुछ भी भगवान को चढ़ाते हैं 'उसमें से भगवान क्या खाते हैं?' क्या पीते हैं?

क्या हमारे चढ़ाए हुए पदार्थ के रूप रंग स्वाद या मात्रा में कोई परिवर्तन होता हैं? यदि नहीं तो हम यह कर्म क्यों करते हैं। क्या यह पाखंड नहीं हैं? यदि यह पाखंड है तो हम भोग लगाने का पाखंड क्यों करें?

मेरी भी जिज्ञासा बढ़ गई थी कि शायद प्रश्नकर्ता ने आज जगद्गुरु शंकराचार्य जी को बुरी तरह घेर लिया है देखूं क्या उत्तर देते हैं।

किंतु जगद्गुरु शंकराचार्य जी तनिक भी विचलित नहीं हुए। बड़े ही शांत चित्त से उन्होंने उत्तर देना शुरु किया।

उन्होंने कहा यह समझने की बात है कि जब हम प्रभु को भोग लगाते हैं तो वह उसमें से क्या ग्रहण करते हैं।

मान लीजिए कि आप लड्डू लेकर भगवान को भोग चढ़ाने मंदिर जा रहे हैं और रास्ते में आपका जानने वाला कोई मिलता है और पूछता है यह क्या है तब आप उसे बताते हैं कि यह लड्डु है। फिर वह पूछता है कि किसका है?

तब आप कहते हैं कि 'यह मेरा है।'

फिर अब आप वही मिष्ठान्न प्रभु के श्री चरणों में रख कर उन्हें समर्पित कर देते हैं और उसे लेकर घर को चलते हैं तब फिर आपको जानने वाला कोई दूसरा मिलता है और वह पूछता है कि यह क्या है?

तब आप कहते हैं कि 'यह प्रसाद है' फिर वह पूछता है कि किसका हैं? तब आप कहते है कि यह 'हनुमान जी का है।'

अब समझने वाली बात यह है कि लड्डू वही हैं।

उसके रंग रूप स्वाद परिमाण में कोई अंतर नहीं पड़ता है तो प्रभु ने उसमें से क्या ग्रहण किया कि उसका नाम बदल गया। वास्तव में 'प्रभु ने मनुष्य के ममकार को हर लिया'।

यह मेरा है का जो भाव था, अहंकार था प्रभु के चरणों में समर्पित करते ही उसका हरण हो गया।

'प्रभु को भोग लगाने से मनुष्य विनीत स्वभाव का बनता है शीलवान होता है। अहंकार रहित स्वच्छ और निर्मल चित्त मन का बनता हैं।'

इसलिए इसे पाखंड नहीं कहा जा सकता हैं। यह मनो विज्ञान है।

इतना सुन्दर उत्तर सुन कर मैं भाव विह्वल हो गया।

कोटि-कोटि नमन है देश के संतों को जो हमें अज्ञानता से दूर ले जाते हैं और हमें ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित करते हैं।

वर्तमान काल में श्रीहनुमदुपासना की आवश्यकता

आज भारत में अर्थ-कामके धर्म-नियन्त्रित न होने से मर्यादित एषणाएँ पल्लवित, पुष्पित एवं फलित हो गयी हैं। अबला-वृद्ध नर-नारी कमाचार, अभक्ष्यभक्षण आदि प्रवृत्तियों में फँसकर-विमोहित होकर व्यक्ति, समाज, देश एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य से परिभ्रष्ट हो रहे हैं। जहाँ थोड़ी-बहुत धार्मिकता एवं आध्यात्मिकता के विकाश विद्यमान भी हैं, वहाँ भी उनके आवरण में दम्भ, खण्ड आदि दुष्प्रवृत्तियाँ कार्य कर रही हैं। इस विषम मोहक दुःस्थिति में अञ्जनि-नन्दन, केसरी-कुमार बालब्रह्मचारी श्री हनुमानजी की उपासना परमावश्यक है; क्योंकि उनके चरित्र से हमें ब्रह्मचर्य-व्रत-पालन, चरित्रवाण, बल-बुद्धि का विकास, अपने इष्ट भगवान् श्रीराम के अभिमान रहित दास्य-भाव आदि गुणों की शिक्षा प्राप्त होती हैं।

'देवो भूत्वा देवं यजेत्' – यह उपासन का मुख्य सिद्धान्त है और इसका 'उप' अर्थात् समीप, 'आसना' अर्थात् स्थित होना अर्थ हैं। जिस उपासना द्वारा अपने देव में उनकी गुण-धर्म-रूप शक्तियों में सामीप्य सम्बन्ध स्थापित होकर तदाकारता हो जाय, अभेद सम्बन्ध हो जाय, यही उसका तात्पर्य एवं उद्देश्य हैं।

आज की इस विषम परिस्थिति में मनुष्य मात्र के लिये, विशेषतया युवकों एवं बालकों के लिये भगवान् हनुमान की उपासना अत्यन्त आवश्यक हैं। हनुमानजी बुद्धि-बल-अर्थ प्रदान करके भक्तों की रक्षा करते हैं। भूत, प्रेत, पिशाच, यक्ष, राक्षस आदि उनके नामोच्चारण मात्र से ही भाग जाते हैं और उनके स्मरण मात्र से अनेक रोगों का दमन होता हैं। मानसिक दुर्बलताओं के संघर्ष में उनसे सहायता प्राप्त होता हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी को श्रीराम के वर्णन में उन्हीं से सहायता प्राप्त हुई थी। वे आज भी जहाँ श्रीराम-कथा होती है, वहाँ पहुँचते हैं और मस्तक झुकाकर, रोमाञ्च-कण्टकित होकर, नेत्रों में अश्रु भरकर श्रीरामकथा का सादर श्रवण करते हैं। इस प्रकार वे भगवद्भक्तों में अव्यक्त रूप से उपस्थित होकर उनकी भक्ति-भावनाओं का पोषण करते हैं। आज भी अधिकांश भक्तों को उनके अनुग्रह का प्रसाद मिलता हैं। अतः उनकी कृपा की उपलब्धि के लिये शास्त्रों में प्रतिपादित उपासना-पद्धति के अनुसार, जिसमें श्रीहनुमदुपासना विस्तार से वर्णित है, उपासना में संलग्न होने से अनेक प्रकार की लौकिक-पारलौकिक सिद्धियाँ प्राप्त हो सकती हैं। भारत को समुन्नत बनाने के लिये भौतिक क्षेत्र में भी अनेक कार्य किये जा रहे हैं, किंतु जितना आध्यात्मिक पक्ष पर बल दिया जाना चाहिये, उतना नहीं दिया जा रहा हैं। फलतः भौतिक समृद्धि मनुष्य के लिये वरदान न बनकर अभिशाप होने जा रही हैं। ऐसी परिस्थिति में राष्ट्र को जिस आदर्श की आवश्यकता है, वह मूर्तिमान् होकर हनुमच्चरित्र में उपलब्ध होता हैं। हनुमानजी भगवतत्वविज्ञान, पराभक्ति और सेवा के ज्वलन्त उदाहरण हैं। विचारों की उत्तमता के साथ भगवदनुरक्ति और सेवा व्यक्तित्व के पूर्ण विकास की द्योतक हैं, जो हनुमानजी के चरित्र में देखी जा सकती हैं। भारत के भटकते हुए नवयुवकों को हनुमानजी से बहुत बड़ी प्रेरणा प्राप्त हो सकती हैं।

हनुमानजी बालब्रह्मचारी हैं। उनके ध्यान एवं ब्रह्मचर्यानुष्टान से निर्मल अन्तःकरण में भक्ति का समुदय भली प्रकार होता हैं। हनुमानजी के चरित्र में शक्तिसंचय, उसका सदुपयोग, भगवद्भक्ति, निरभिमानिता आदि का पूर्ण विकास होने के कारण उनकी आराधना से इन गुणों की उपलब्धि साधक युवकों एवं बालकों को भी हो सकेगी।

महामना की हार्दिक इच्छा

श्रीमहावीरजी मनके समान वेगवाले और शक्तिशाली हैं। .... मेरी हार्दिक इच्छा है कि उनका वर्णन लोगों को गली-गली में हो। मुहल्ले-मुहल्ले में श्रीहनुमानजी की मूर्ति स्थापित करके लोगों को दिखलायी जाय। जगह-जगह अखाड़े हों, जहाँ इनकी मूर्तियाँ स्थापित की जायँ।

– महामना पं० श्रीमदनमोहनजी मालवीय

रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि

एकदा खंभे से हार गए?

१९वीं सदी के मध्य की बात हैं। ८ साल का एक बालक अपने घर के बाहर खंभे को अपना दूसरा साथी मानकर चौपड़ खेल रहा था। उस दिन वह अकेला महसूस कर रहा था, तो खंभे से खेलने की योजना बनाई थी। खंभे के लिए अपना दायां हाथ और अपने लिए बायां हाथ निश्चित किया। पहले उसने दाएं हाथ से पासा फेंका। यह था खंभे का दांव। फिर बाएं हाथ से पासा फेंका। यह दांव उसका अपना था। थोड़ी ही देर में वह बच्चा हार गया। सड़क पर खड़े कुछ लोग बच्चे को देख रहे थे। उन्होंने पूछा, 'क्यों भैया, तुम खंभे से हार गए?' इस पर उस बालक ने कहा 'क्या करूं! बाएं हाथ से पासा फेंकने की मेरी आदत नहीं हैं। खंभे का हाथ दाहिना था, सो वह जीत गया।' पूछे जाने पर बच्चे ने कहा, अपने लिए दायां हाथ रखना और बेजान खंभे के लिए बायां, तो बेईमान कहलाता। 'बच्चे की बात सुनकर लोग हैरान रह गए और कहने लगे 'एक दिन यह बच्चा बड़ा आदमी बनेगा।' सचमुच वह बच्चा महान विद्वान, न्यायाधीश, इतिहासकार बना। वह कोई और नहीं, बहादुर महादेव गोविंद रानाडे थे, जिन्हें न्यायमूर्ति रानाडे के नाम से जाना जाता हैं।

संकलनः ललित गर्ग

प्रतिभा का निस्वार संयुक्त रहने में

ऋषि अंगिरा के शिष्य उदयन बड़े प्रतिभाशाली थे, पर अपनी प्रतिभा के स्वतंत्र प्रदर्शन की उमंग उनमें रहती थी। साथी-सहयोगियों से अलग अपना प्रभाव दिखाने का प्रयास यदा-कदा किया करते थे। ऋषि ने सोचा यह वृत्ति इसे ले डूबेगी। समय रहते समझाना होगा। सर्दी का दिन था। बीच में रखी अंगीठी में कोयले दहक रहे थे। सत्संग चल रहा था। ऋषि बोले- "कैसी सुंदर अँगीठी दहक रही है। इसका श्रेय इसमें दहक रहे कोयलों को है न?" सभी ने स्वीकार किया। ऋषि पुनः बोले - "देखो, अमुक कोयला सबसे बड़ा, सबसे तेजस्वी है। इसे निकालकर मेरे पास रख दो। ऐसे तेजस्वी का लाभ अधिक निकट से लूँगा।"

चिमटे से पकड़कर वह बड़ा तेजस्वी अंगार ऋषि के समीप रख दिया। पर यह क्या अंगार मुरझा सा गया। उस पर राख की पर्त आ गई और वह तेजस्वी अंगार काला कोयला भर रह गया। ऋषि बोले- "बच्चो! देखो, तुम चाहे जितने तेजस्वी हो, पर इस कोयले जैसी भूल मत कर बैठना। अँगीठी में सबके साथ रहता तो अंत तक तेजस्वी रहता और सबके बाद तक गर्मी देता। पर अब न इसका श्रेय रहा और न इसकी प्रतिभा का लाभ हम उठा सके।"

शिष्यों को समझाया "परिवार और समाज वह अँगीठी है, जिसमें प्रतिभाएँ संयुक्त रूप से तपती हैं। व्यक्तिगत प्रतिभा का अहंकार न टिकता है, न फलित होता है। अकेले चलने का अहंकार प्रखर प्रतिभा को भी धूमिल बना देता है। साथ-साथ मिल-जुलकर काम करने से ही व्यक्ति और समाज का कल्याण होता है।"

"वृद्ध पिता को घर से मत निकालो"

एक बहुत सुंदर वधू ने पति को पूरी तरह वशवर्ती कर लिया। घर में बहुत बूढ़ा बाप था। खाँसता और असमर्थ होने के कारण तरह-तरह की माँगे करता। वधू ने पति से हठ किया कि या तो इस बूढ़े को हटाओ, नहीं तो मैं नैहर चली जाऊँगी और फिर कभी नहीं आऊँगी। पति को वधू के सामने झुकना पड़ा।

वह ऊँटों पर माल ढ़ोने का काम करता था। सो एक दिन पिता को नदी पर पर्व स्नान के लिए चलने को तैयार कर लिया। साथ ले गया और रास्ते में मार कर उसे झाड़ी के नीचे गाड़ दिया। दिन गुजरने लगे। पुत्र जन्मा, बड़ा हुआ। उसको भी सुंदर वधू आई। बाप बूढ़ा और अशक्त हुआ। घटनाक्रम पुराना ही दुहराया गया। बूढ़े को हटा देने का निराकरण भी उसी प्रकार हुआ। ऊँट पर बैठाकर पर्व स्नान के बहाने ले जाया गया और मार कर उसी झाड़ी में गाड़ दिया गया, जिसके नीचे अपने बाप को गाड़ा था। इस लड़के को भी लड़का हुआ। उसकी भी सुंदर वधु आई। बुढ़ापा, अशक्तता और खाँसी का दौर चला और नववधू द्वारा उसे भी हटा देने का पुराना प्रस्ताव सामने आया। लड़के ने बाप को ऊँट पर बैठा कर पर्व स्नान के लिए सहमत कर लिया।

संयोगवश उसे भी मारने और गाड़ने के लिए वहीं झाड़ी उपयुक्त पाई गई। बेटा छुरा निकालने ही वाला था कि बाप ने उसे रोका और कहा– "यहाँ दो गड्ढे खोद कर देखो।" दोनों में दो अस्थिपंजर पाए गए, जो बूढ़े बाप और बाबा के थे। उनका दुखद अंत भी वधुओं के आग्रह पर किया गया था। बुड्ढे ने कहा– "मुझे मारने पर तो इसी परंपरा के अनुसार तेरी भी दुर्गति होगी। इसलिए इस प्रचलन को तोड़ना ही उपयुक्त है। मैं स्वयं कहीं चला जाता हूँ। तू बिना मारे ही लौट जा। वधू से मार दिए जाने की बात कह देना।"

बेटे की आंख खुल गई और वह पिता को वापस घर ले आया। उनकी सेवा करने लगा। वधू को कह दिया कि उसे जो भी करना हो, करे। वह पिता को नहीं छोड़ेगा, उनकी सेवा करेगा। उफान शांत हो गया। पत्नी भी न गई। बूढ़ा भी बच गया और परंपरा भी टूटी। जो चलती रहती तो अनेक पीढ़ियों तक इसी प्रकार बूढ़े बापों का वध होता रहता। आज अनेक परिवार ऐसी ही दुर्गति की स्थिति में हैं। दो पीढ़ीयों में पारस्परिक टकराव होता देखा जाता है। समझ-बूझ कर काम लिया जाय, तो आश्रय व्यवस्था के माध्यम से विग्रह टाले जा सकते हैं।

संस्कार दिए बिना 'सुविधाएँ' देना पतन का कारण है, बच्चे को सुविधाएँ न दो तो थोड़ी देर रोयेगा लेकिन "संस्कार न दो तो पूरी ज़िन्दगी रोना पड़ेगा..!!

manipalhospitals
LIFE'S ON
Feeling Heavy Even After a Light Meal?
Don't Worry, Our Gastroenterologists Can Help.
Avail Advanced Care at Manipal Hospital Kolkata.
From diagnosis to treatment, we offer comprehensive care for all digestive issues.
Our highly-trained clinical team ensures your gut health is on track.
What We Offer:
Advanced Digestive and Liver Disease Management
Comprehensive GI Care
Innovative Technology and Diagnostics
Highly-Trained Clinical Teams
To book an appoinment 033 6680 0000
Scan to know more

उपलब्धियाँ

श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता तथा आबकारी मंत्री श्री योगेंद्र महतो स्वागत एवं बधाई देते हुए। (विस्तृत रपट अगले अंक में)

कटनी के श्री शरद सरावगी की सुपुत्री सुश्री आयुषी सरावगी ने एमबीबीएस की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की है। हार्दिक बधाई!

डिविजनल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री पवन कुमार सुरेका ने दरभंगा हवाई अड्डे पर प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलकर उनके द्वारा मिथिलांचल के विकास के लिए जो कार्य किये जा रहे है उसके प्रति आभार प्रकटकिया।

दर्शिका सिंघल एक ऐसी युवा साधिका हैं, जिन्होंने परंपरा और आधुनिकता–दोनों को बड़े संतुलन के साथ अपने जीवन में समेटा हैं। एक ओर वे भरतनाट्यम जैसी प्राचीन भारतीय नृत्यशैली की विशारद हैं, तो दूसरी ओर उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा अमेरिका के प्रतिष्ठित The State University of New York, University of Buffalo से पूर्ण की हैं।

भरतनाट्यम की शिक्षा उन्होंने पचपन से ही प्रारंभ की थी, और वर्षों की साधना अनुशासन व समर्पण के बाद उन्होंने इस नृत्य कला में विशारद की उपाधि प्राप्त की। उनके लिए भरतनाट्यम केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि आत्मा की भाषा है–जिसके माध्यम से वे भावों, परंपराओ और भक्ति को अभिव्यक्त करती हैं।

शिक्षा पूरी करने के पश्चात् दर्शिका अब स्वनियोजित हैं और अपने पिता के व्यवसाय को भी कुशलता से संभाल रही हैं। व्यवसायिक दुनिया की समझ और कला के प्रति समर्पण–दोनों को एक साथ साधने वाली दर्शिका, आज की नारी शक्ति की सुंदर मिसाल है।

बधाई

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश एम. जैन ने संभाला कार्यभार श्री पंकज बरडिया बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्यालय एवं श्री मोहित नाहटा बने राष्ट्रीय महामंत्री। हार्दिक बधाई।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

दिल्ली एनसीआर के साहिबाबाद स्थित 'अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच' के नवनिर्मित राष्ट्रीय युवा भवन में १ अप्रैल, २०२५ को दायित्व हस्तांतरण का समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच - युवा भवन का उद्घाटन

३० मार्च २०२५ को समाज के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत हुई, जब साहिबाबाद, दिल्ली में युवा भवन का उद्घाटन हुआ! यह प्रशासनिक ब्लॉक समाज की सेवा के लिए कार्य करेगा।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

राज्यपाल की उपस्थिति में पूप्रमास की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

सिलचर में आयोजित पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अधिवेशन में नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ विधि समारोह आईटीए सेंटर में एक गरिमामय समारोह के दौरान राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, राज्य की प्रथम महिला कुमुद देवी, असम सरकार में कैबिनेट मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, कैबिनेट मंत्री यूजी ब्रह्म, अतिरिक्त मुख्य सचिव कैलाशचंद्र समरिया, आईजीपी (कानून व्यवस्था) अखिलेश कुमार सिंह, आईएस अधिकारी मिनाक्षी सुंदरम, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा आदि की उपस्थिति में मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकारिया ने सभी नए पदाधिकारी को पद एवं गोपनीयता का शपथ पाठ कराया।

मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी में विभिन्न पदों में शपथ लेने वाले पदाधिकारियो में विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय), छतर सिंह गिड़िया, प्रांतीय उपाध्यक्ष, राजेंद्र हरलालका, प्रांतीय उपाध्यक्ष, रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय महामंत्री, दिनेश गुप्ता, प्रांतीय कोषाध्यक्ष, मनोज जैन काला, प्रांतीय संगठन मंत्री, राजकुमार सराफ, प्रांतीय संयुक्त मंत्री, सुशील गोयल, मंडलीय उपाध्यक्ष, निरंजन सिकरीया, मंडलीय सहायक मंत्री, प्रदीप भुवालका, प्रांतीय संयोजक, जन सेवा एवं बंधुत्व विकास, बजरंग सुराणा, प्रांतीय संयोजक संगठन विस्तार एवं जन जागरण, विवेक सांगानेरिया, संयोजक प्रांतीय मीडिया सेल, श्रीमती संतोष शर्मा, प्रांतीय संयोजक नारी चेतना एवं सशक्तिकरण, श्रीमती सरला काबरा, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं श्रीमती सरोज मित्तल, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर शामिल किया गया।

शपथ पाठ के पश्चात राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य तथा कैबिनेट मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, कैबिनेट मंत्री युजी ब्रह्म ने सभी पदाधिकदारियों को मेडल पहनाकर मारवाड़ी सम्मेलन के नए सत्र में सदस्यों को उनके सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी।

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सलाहकार पीतराम केडिया, गुवाहाटी शाखाध्यक्ष शंकर बिरला, उपाध्यक्ष महेंद्र मित्तल, सचिव, अशोक सेठिया, कोषाध्यक्ष सूरज सिंघानिया, माखनलाल अग्रवाल, कामरूप शाखा के सचिव संजय खेतान, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष दीपक पोद्दार, सचिव अरविंद सराफ, बाबुलाल मोर आदि ने अपनी ओर से भी सभी प्रांतीय पदाधिकारियों, संयोजकों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

सम्मेलन गीत की सराहना

बैठक प्रारंभ होने से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया द्वारा सद्यः रचित संगीत बद्ध किया हुआ एक सम्मेलन गीत प्रथम बार सुनाया गया। उपस्थित सभी बंधुओं ने करतल ध्वनी से इसकी सराहना की। श्री लोहिया ने बताया कि उन्हें एक प्रेरणा हुई कि सम्मेलन के विषय में समाज बंधुओं को प्रेरित करने के लिए एक गीत की आवश्यकता है। इसी प्रेरणा के फलस्वरूप उन्होंने इस गीत की रचना की है एवं इसे संगीत बद्ध किया है जयपुर के वीणा म्यूजिक के। उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता होगी अगर सभी स्तर में इसका उपयोग किया जाय।

अब तक जो प्रतिक्रियाएं आई है, उनमें से कुछ यहाँ दी जा रही है –

बहुत अच्छी रचना है मान्यवर, यह शब्दों तक सीमित न रह कर व्यवहार में परिलक्षित होगी तब समाज का उत्थान होगा।

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
रांची, झारखंड

बहुत ही सुंदर हैं एवं भावनाएं भी हैं और प्रेरणादायक तथा समयानुसार आवश्यक भी हैं।
बहुत बहुत धन्यवाद, शुभकामनाएं।

राज कुमार केडिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
रांची, झारखंड

प्रांतीय समाचार : उत्कल

संबलपुर शाखा का चुनाव संपन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संबलपुर शाखा के अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु दो इच्छुक उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध हुए थे, जिस पर १६ अप्रैल २०२५ को चुनाव होना था, लेकिन चुनाव से एक दिन पहले एक उम्मीदवार अशोक अग्रवाल द्वारा अपना नामांकन वापस ले लिए जाने से दूसरे उम्मीदवार शीशराम अग्रवाल को निर्विरोध नया अध्यक्ष चुन लिए गया।

चुनाव समिति के सदस्य श्यामसुंदर अग्रवाल, राजकुमार पोद्दार, इंजीनियर राजेश अग्रवाल, मनोज गर्ग, राजकिशोर अग्रवाल, मार्गदर्शक विजय केडिया, जयदयाल अग्रवाल, गणेश पालीवाल, शाखा अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, महासचिव महेश झाझरिया, नरेंद्र अग्रवाल और कैलाश अग्रवाल की उपस्थिति में चुनाव समिति ने चुनाव में एक ही उम्मीदवार के रह जाने से शीशराम अग्रवाल को अध्यक्ष घोषित कर दिया।

प्रांतीय अध्यक्ष का गुवाहाटी बिहू सम्मेलन ने किया सम्मान

महानगर के सोनाराम फील्ड में दशकों से आयोजित होते आ रहे पश्चिम गुवाहाटी बिहू सम्मेलन में गत १४ अप्रैल को झंडोत्तोलन एवं स्मृति तर्पण के साथ विधिवत बिहू सम्मेलन की गतिविधियां आरंभ हुई। इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा के नेतृत्व में कई समाजबंधुओं ने भाग लेकर नूतन वर्ष मनाया तथा रंगाली बिहू की शुभेच्छाओं का आदान-प्रदान कर सभी की मंगल कामना की। इसके बाद सभी ने श्री गौहाटी गौशाला में आयोजित गोरू बिहू कार्यक्रम में गौमाता को हल्दी उबटन लगाकर नहलाने तथा पूजन आदि में भाग लिया।

इस दौरान मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्यालय विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय महामंत्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज काला, प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, प्रांतीय संयोजक विवेक सांगानेरिया एवं श्रीमती संतोष शर्मा, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सरला काबरा, श्रीमती सरोज मित्तल एवं गुवाहाटी महिला शाखा की सदस्यों के अलावा माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सीताराम बिहानी की उपस्थिति रही। सभी ने सामूहिक रात्रि भोज का आनंद उठाया।

आपदा में सदस्यों का प्रशंसनीय सहयोग

असम में स्थित मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित उड़ियामघाट शाखा के एक आजीवन सदस्य श्री महावीर शर्मा के पुत्र मुन्ना शर्मा का हैदराबाद में एक्सीडेंट हो गया जो वहां डिलीवरी बॉय का कार्य करता था। दुर्घटना के तत्काल बाद उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसके इलाज पर लगभग ४ लाख रुपए का खर्च बताया गया। भाई मुन्ना के परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे इतने रुपयों का तत्काल जुगाड कर पाते। जब इस बात की जानकारी सम्मेलन के पूर्वोत्तर प्रांत के पदाधिकारियों को मिली तो उन्होंने तत्काल पहल करते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारियों से संपर्क किया तथा हैदराबाद स्थित उक्त अस्पताल में अपने प्रतिनिधि श्री राजेश के मार्फत सीधे श्री मुन्ना शर्मा की वहां स्थित बहन से मुलाकात कर वस्तु स्थिति को प्रत्यक्ष रुप से महसूस किया। जब उक्त घटना की जानकारी पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाई द्वारा संचालित वाट्सएप ग्रुप में पदाधिकारियों ने प्रेषित की तब पूर्वोत्तर प्रांत की शाखाओं तथा व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन के सदस्यों के साथ ही समाजबंधुओं ने भी यथाशक्ति अपनी सहयोग राशि सीधे श्री शर्मा के परिजन के बैंक एकाउंट में प्रेषित करनी प्रारंभ की। कहावत है कि तिनके तिनके से घड़ा भरता है जिसे चरितार्थ इस बात से किया गया कि लगभग पचासों लोगों के सामूहिक योगदान की वजह से आज भाई मुन्ना का इलाज सुचारू रूप से चल रहा हैं। तीन सफल सर्जरी हो चुकी हैं। इस बात को नवगठित उक्त शाखा के अध्यक्ष श्री ललित मिश्र ने भी स्वीकार करते हुए सम्मेलन का आभार व्यक्त किया है।

गुवाहाटी महिला शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, गुवाहाटी का शपथ ग्रहण समारोह परशुराम सेवा सदन में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष संतोष शर्मा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, मुख्य वक्ता प्रांतीय महामंत्री रमेश चांडक एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया, पार्षद रत्ना सिंह, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य सरला काबरा एवं सरोज मित्तल, प्रांतीय समिति संयोजक विवेक सांगानेरिया, कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वाणी मोर द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना नृत्य से हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ औपचारिक उद्घाटन के बाद संतोष शर्मा ने सभा को संबोधित किया तथा अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली सदस्यों को पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित सदस्यों में शामिल रहीं **महिला शाखा स्तंभ पुरस्कार** सरला काबरा, सरोज मित्तल, शारदा केडिया, वंदना सोमानी, मंजू पाटनी, इंदिरा जिंदल और प्रेमलता खंडेलवाल। श्रेष्ठ पदाधिकारी संगीता बड़जात्या, बिमला कोचर, **सम्मेलन सारथी पुरस्कार :** मंजू भंसाली, श्रेष्ठ संयोजिका : बबीता सरावगी, निकिता सांखला, पुष्पा सोनी, ज्योति शर्मा, बिंदु मोहता, सुनीता चांडक, प्रेमलता सिंघानिया, राजश्री कुचेरिया, संतोष काबरा, बिना चोरडिया, **उत्तम संयोजिका :** गुलाब दुगड़, कविता जोगड़, प्रज्ञा शर्मा, वर्षा पारीक, शोभना लड्ढा, सुमन शर्मा, मंजू बागड़ी, मधु हरलालका, संतोष धानुका **सर्वश्रेष्ठ संयोजिका :** रश्मि जैन, रेखा गोयल **सर्वश्रेष्ठ पदाधिकारी :** शांति कुंडलिया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलायी गयी।

शाखाध्यक्ष परिचय : संतोष शर्मा

पूर्वोत्तर प्रदेशिक मारवाड़ी युवा मंच की पूर्व प्रथम प्रांतीय महिला अध्यक्ष

राष्ट्रीय सामाजिक विकाश समिति की स्टेट चेयरमेन

भारतीय अटल सेना महिला मॉव्ही की प्रांतीय अध्यक्ष

गोड ब्रह्माण महिला समिति की अध्यक्ष

राजस्थानी लोक गीत ओर भजन गायिका

वर्तमान मे मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा अध्यक्ष

प्रांतीय समाचार : उत्कल

राउरकेला शाखा की बैठक

राउरकेला स्थित ब्राह्मणी क्लब में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, राउरकेला शाखा की एक बैठक अनुष्ठित हुई, जिसकी अध्यक्षता नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सतीश अजमेरा ने की, सभा में सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल मुख्य अतिथि, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री पवन सुल्तानिया सम्मानित अतिथि, झारसुगुड़ा शाखाअध्यक्ष श्री नवल अग्रवाल सम्मानित अतिथि, के रूप में योगदान किया सभा में शाखा महासचिव श्री प्रतीक क्याल, शाखा कोषाध्यक्ष श्री रमेश काबरा, राउरकेला प्रभारी श्री तरुण मलानी, प्रांतीय सचिव श्री शैलेंद्र जी मारोठिया, प्रांतीय सलाहकार श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्री संतोष जी पारीक, श्री विष्णु दयाल अग्रवाल, युवा मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल, राजस्थान परिषद, हरियाणा नागरिक संघ, माहेश्वरी सभा, ब्राह्मण परिषद, मारवाड़ी महिला समिति, अग्रवाल सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, महिला तथा पुरुष, अग्रवाल सेवा संघ, के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ पदाधिकारी, समाज के विभिन्न संस्थाओं एवं सम्मेलन के सदस्यों ने बड़ी संख्या में योगदान दिया। सभा में सारगर्भित चर्चा तथा निर्णय हुए, सबने समाज में संगठन के विस्तार, समाज सुधार, सामाजिक पंचायत, को मजबूत करने पर बल दिया तथा समाज के सभी जरूरतो पर खुलकर चर्चा हुई, तथा कई निर्णय हुए सभा के अंत में दोपहर के भोजन के साथ सभा की समाप्ति हुई।

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नए अध्यक्ष - श्री अमर बंसल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय शाखा छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री अमर बंसल जी का जन्म २ अक्टूबर १९६८ को हुआ। आपके पिता का नाम स्व. बद्री प्रसाद अग्रवाल हैं। आपने आपनी प्राथमिक शिक्षा इंटरमीडिएट कालेज, अंचल कालेज, पदमपुर ओडिशा से संपन्न की। उसके बाद पोलिटिकल लीडरशीप की शिक्षा इंस्टीट्यूट आफ पॉलिटिकल लीडरशीप २०१८-१९ में सम्पन्न की। उसके बाद संघीय शिक्षा प्राथमिक वर्ग, पदमपुर ओडिशा १९८० में, प्रथम वर्ष महाराणा प्रताप हाई स्कूल, बरगढ़ १९८६ में, द्वितीय वर्ष सरस्वती शिशु मंदिर कोनी, बिलासपुर २०१८, अन्य वर्ग धर्म जागरण समन्वय अभ्यास वर्ग नागपुर २०१४ में ली। आपने मारवाड़ी सम्मेलन के अलावा भी अन्य कई प्रसिद्ध संस्थाओं में बहुत ही महत्वपूर्ण पदोंका निर्वहन किया हैं जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (धर्म जागरण विभाग) कोष प्रमुख २००५ से, राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण २०१४ से २०१८ तक (छ.ग.शासन), स्वच्छता एम्बेसडर--नगर निगम रायपुर (छ.ग.शासन), पूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, रायपुर जिला ईकाई, संयोजक, मेरा गांव मेरा देश, (एक कदम स्वच्छता की ओर), संयोजक, स्वदेशी मेला, स्वदेशी जागरण मंच २०२२ एवं वर्तमान में आप स्वामी आत्मानंद वार्ड क्र. ३९ (समता, चौबे कॉलोनी) के पार्षद एवं छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष हैं। सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

रायपुर में प्याऊ का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रदेश ईकाई द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष दिनांक: ११ अप्रैल २०२५ को अग्रसेन चौक स्थित रुद्रधारी मंदिर परिसर में शीतल पेयजल धारा अस्थाई प्याऊ का शुभारंभ अग्रवाल सभा रायपुर के अध्यक्ष श्री विजय कुमार अग्रवाल जी के कर कामलों द्वारा किया गया, उक्त प्याऊ घर का पूजन रुद्रधारी मंदिर के पुजारी श्री चंद्रशेखर शर्मा जी द्वारा विधिवत कराया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा विगत १६ वर्षों से लगातार ग्रीष्म ऋतु में यह शीतल पेय जल धारा अस्थायी प्याउ का संचालन किया जाता रहा है।

उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया जी, प्रदेश महामंत्री अमर बंसल जी, रायपुर शाखा मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष संजय शर्मा जी, सचिव प्रवीण सिंघानिया जी, प्रदेश इकाई के कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी जी, रायपुर मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकारिणी सदस्य ललित चांडक जी, नरेश केडिया जी, रूप कुमार अग्रवाल जी, नवीन भुसनिया जी, रवि सिंघानिया जी, संजय संघी जी, कमलेश सिंघानिया जी, खजांची अग्रवाल जी, ललीत बंसल जी, प्रकाश महेश्वरी जी, गोपल बजाज जी, राधे सिंघानिया जी प्रमुख उपस्थित थे।

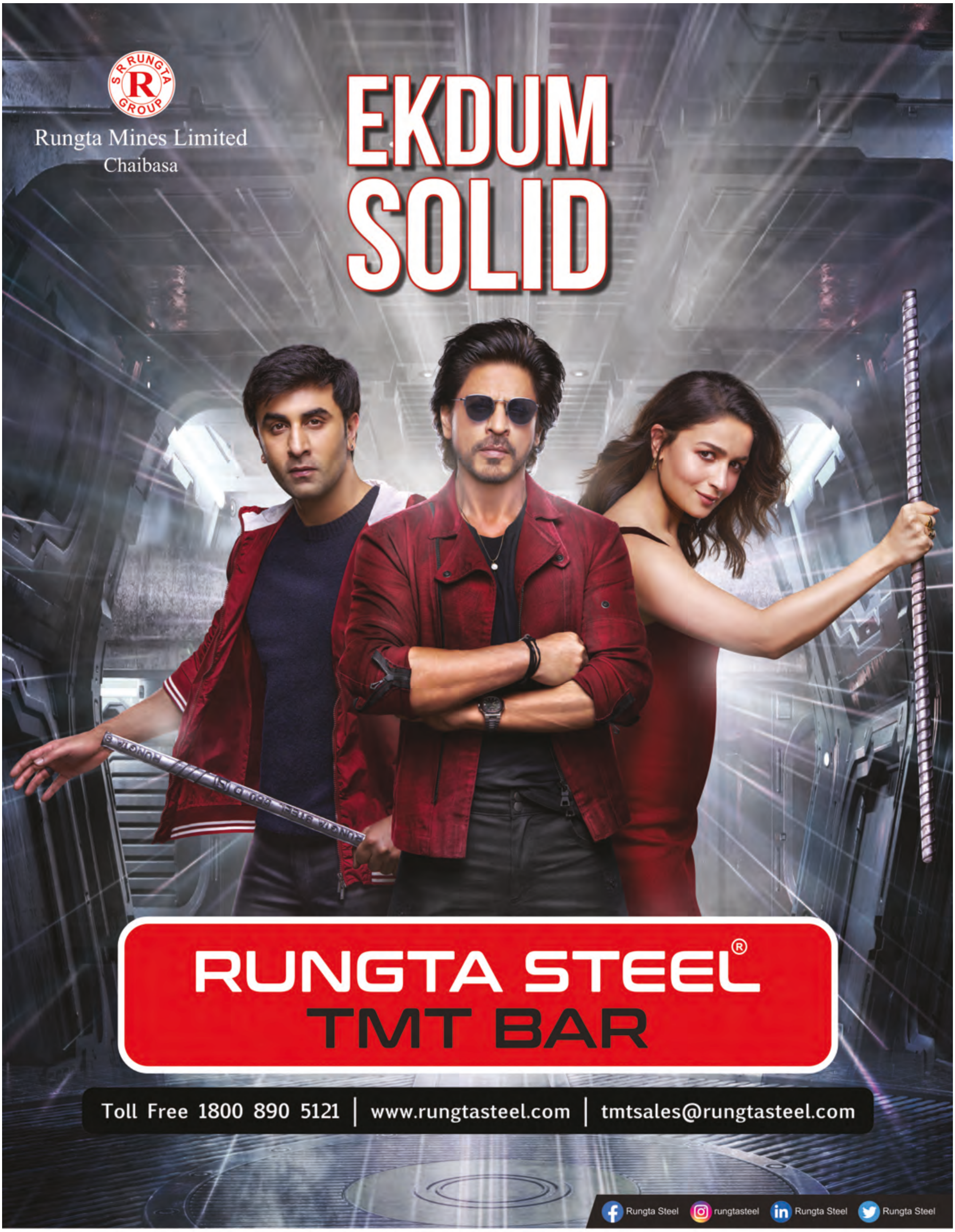

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
- Radiology
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- Cardiology
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- Wide Range of Pathology
- Pulmonary Function Test
- UGI Endoscopy / Colonoscopy
- Physiotherapy
- EEC / EMG / NCV
- General & Cosmetic Dentistry
- Elder Care Service
- Sleep Study (PSG)
- EYE / ENT Care Clinic
- Gynae and Obstetric Care Clinic
- Haematolgy Clinic
- Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
- Health Check-up Packages
- Online Reporting
- Report Delivery

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

प्रांतीय समाचार : मध्यप्रदेश

राहुल बाग में महोत्सव

आपसी सदभाव के महापर्व होली पर गत दिवस स्थानीय राहुल बाग में मारवाड़ी समाज का होली मिलन महोत्सव विविध राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया।

राजस्थान से पधारे कलाकारों द्वारा सामूहिक नृत्य एवं गायन से उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कटनी शाखा के सचिव अजय सरावगी ने किया। श्री सरावगी ने कहा कि समाज के उत्थान के लिये सामाजिक गतिविधियों का आयोजन होता है समाज में एकजुटता और समन्वय ही हम सभी का साहस और ताकत हैं।

कार्यक्रम में राजस्थान ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण बजाज (पप्पू भैया) भगवान दास महेश्वरी राजस्थानी समाज कटनी अध्यक्ष पवन बजाज, श्री अरुण गोयनका, अजय खंडेलवाल, राजकुमार शर्मा, श्री कृष्ण कुमार शर्मा, श्री मधुसूदन बगड़िया, श्री प्रह्लाद बजाज, श्री अजय खंडेलवाल, राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष, हर्ष अजय खंडेलवाल, आरती, मनीष तोलासरिया, सपना सरावगी, संगीता, प्रवीण बजाज, श्रीमती कृष्णा सरावगी, अलका सरावगी, श्रीकांत बजाज, मोहन अग्रवाल, तुलसी बजाज, मधु सूदन अग्रवाल, टिल्लू सिंघानिया, दीपक सरवगी, विजय सरावगी, संपत गट्टानी, जितेंद्र कनोड़िया, मोती बाजाज की उपस्थिति रही। मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, कटनी शाखा के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के आयोजक शरद सरावगी ने समाज के समस्त वरिष्ठों माताओं, बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री सरावगी का अद्वितीय सहयोग

राउरकेला निवासी श्री राम अवतार अग्रवाल जी जो कि वृन्दावन होली मनाकर अपने निवास उत्कल एक्सप्रेस से लौट रहे थे। रास्ते रीठी में उन्हें मेजर अटैक पड़ा। उन्होंने अपने परिजनों को सूचना दी परिजनों ने अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन कलकत्ता को सूचित किया। कलकत्ता से शरद सरावगी जी को सूचित किया गया। शरद भाई तत्काल भाई अजय सरावगी व बगड़िया जी के साथ स्टेशन पहुंचे। साथ ही समाज के चिकित्सक श्री मनीष गट्टानी जी को भी सूचित किया। मनीष गट्टानी जी ने भी आनन फानन में हास्पिटल पहुँच कर सेवाएं दी।

प्रांतीय समाचार : आंध्रप्रदेश

आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान मे विजयवाडा मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा विजयवाडा नगरी मे आज दिनांक २८ अप्रैल २०२५ को सुबह ११-०० बजे वन टाउन पोलिस स्टेशन के बाहर श्री दुर्गाराव गारु (West ACP) एवं श्री गुरू प्रसाद गारू (C.I.One Town) के करकलमों के द्वारा छाछ एवं शीतल जल की प्याऊ का उद्घाटन किया गया।

यहाँ पर रोजाना सुबह ११-०० बजे से २०० लीटर (करीब करीब १५०० ग्लास) छाछ ओर पुरे दिन शीतल जल की व्यवस्था चालु की गई हैं।

यह मानव सेवा दो से ढाई महीनें तक लगातार चालु रहेगी।

इतनी तेज गर्मी में रास्ते पर चलने वाले सभी लोगो को छाछ ओर ठंडा पानी मिलने पर बहुत ही राहत मिलती हैं।

"मानव सेवा माधव सेवा" को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी समाज के द्वारा यह से कार्यक्रम चालु किया गया हैं।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा के संयुक्त तत्वाधान में पहलगाम में आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। सदस्यों द्वारा पुष्प अर्पित कर मोमबत्ती जलाई गई।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

६ अप्रैल २०२५ रविवार मैग्नस माल पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत जिला ईकाई के द्वारा निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। काफी संख्या में सदस्यो की उपस्थिति रही और सभी ने कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की।

प्रांतीय समाचार : पंजाब

अमृतसर में स्थानीय समाज के साथ बैठक संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का पंजाब प्रान्त में पदार्पण हो चुका हैं। २३ अप्रैल २०२५ को कांफ्रेंस हॉल, ब्रदर ढाबा, जलियावाला बाग के पास अमृतसर में आयोजित साधारण सभा में बड़ी संख्या में समाज बंधुओ की उपस्थिति रही। सभा की अध्यक्षता श्री पवन गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं चेयरमैन राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता समिति ने की।

श्री सुनील गुप्ता के स्वागत भाषण के पश्चात श्री पवन गोयन का ने उपस्थित समाज बन्धुओं को सम्मेलन के इतिहास, सम्मेलन के मुख्य उदेश्यों, संगठन के बारे में और जीवन में समाज-संगठन के महत्त्व के बारे में बताया।

तत्पश्चात सर्वसम्मति से शाखा गठन का निर्णय लिया गया तदुपरान्त सर्वसम्मति से श्री सुनील गुप्ता को निर्विरोध अमृतसर शाखा गठन का भार दिया गया। श्री अनिल सिंघल ने श्री सुनील गुप्ता के नाम का प्रस्ताव किया जिसका समर्थन श्री नरेश सराफ, श्री मनोज अग्रवाल, श्री प्रेम हरलालका, श्री रमेश मित्तल ने किया।

कार्यक्रम में दिल्ली से श्री गोयनका के साथ साथ पूर्व प्रां. अध्यक्ष श्री लक्ष्मी पत भुतोड़िया एवं प्रां. उपाध्यक्ष श्री सज्जन शर्मा की भी सहभागिता रही।

श्री सुनील गुप्ता को श्री पवन गोयनका, श्री भुतोड़िया एवं श्री सज्जन शर्मा, श्री अनिल सिंघल, श्री मनोज अग्रवाल, श्री आनंद गोयनका, श्री विजय गोयनका, श्री विजय गोयल एवं उपस्थित सभी समाज बंधुओ ने पगड़ी, पटका एवं माला पहनाकर एवं मोमेंटो द्वारा स्वागत किया। श्री पवन गोयनका ने दिल्ली के श्री रजनीश जी गोयनका का विशेष आभार व्यक्त किया जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से अमृतसर शाखा का कार्य हो पाया। उन्होंने श्री सुनील गुप्ता, श्री मनोज अग्रवाल, श्री आनंद गोयनका, श्री विजय गोयनका, श्री अनिल सिंघल, श्री लक्ष्मी पत भुतोड़िया, श्री रमेश बजाज, श्री सज्जन शर्मा का भी बहुत बहुत आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री सुनील गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया एवं कहा कि जो विश्वास अमृतसर के

मारवाड़ी समाज ने उनमें दर्शाया है वे उस पर खरा उतरने का भरपूर प्रयास करेंगे और सभी के सहयोग से निकट भविष्य में १०० से अधिक मेंबर बनाकर प्रांतीय इकाई के गठन का भरोसा दिलाया।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

राजगांगपुर सम्मेलन की शाखा पुनः सक्रिय

राजगांगपुर स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में समाज की एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, जोनल उपाध्यक्ष श्री पवन सुल्तानिया, झारसुगड़ा शाखा के झारसुगुड़ा शाखा अध्यक्ष श्री नवल अग्रवाल, तथा बड़ी संख्या में समाज के व्यक्ति तथा युवा मंच के सदस्य उपस्थित थे, प्रांतीय अध्यक्ष के आह्वान पर राजगांगपुर में पुनः सम्मेलन को सक्रिय करने का निर्णय लिया गया, तथा श्री सुनील परशुराम का, श्री सुनील अग्रवाल, श्री हनुमान अग्रवाल, श्री कमलेश अग्रवाल, तथा श्री दिलीप अग्रवाल को लेकर एक संयोजक मंडली बनाई गई। तथा सम्मेलन के सदस्यता अभियान को प्रारंभ किया गया सभा में ही दस से अधिक लोगों ने सदस्यता का फार्म भरा तथा शीघ्र ही बड़ी संख्या में सदस्य बनाकर सम्मेलन के इस शाखा के संगठन को मजबूत करने के निर्णय लिया। सभा में उपस्थित श्री राजकुमार बांका जिन्होंने अपने दोनों पुत्रों के विवाह में प्री वेडिंग नहीं करवाया उन्हें प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल और उनकी टीम द्वारा राजगांगपुर शाखा को पुनः सक्रिय करने का कार्य करने पर बलांगीर मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से बधाई और अभिनंदन दिया।

कहानी

जीवन रो उदेस

– रामजी लाल घोड़ेला
लूनकरनसर, बीकानेर, राजस्थान

बात जूनी है। अेक नगर मांय विक्रम नाम रो अेक मोट्यार भी रेवतो, जिण री उमर २५ बरस रै लगै टगै। उणरा मा - बाप गरीब हा। दिहाड़ी मजदूरी कर'र गुजारो करता। उणरा मा - बाप उणनै दसवीं जमान तक भणायो। पण उणनै कोई काम नीं मिल्यो। कदैई किणी सेठ कनै मुनीमी रो काम कर लैवतो। उणरो मन काम मांय नीं लागतो हो। विक्रम भी रिपिया भैळा कर'र आपरो घर बसावणै वास्तै सोचतो रैवतो। विक्रम रा मा – बाप उणसूं घणो लाड राख्ता। बै भी चावता हा कै उणां रो बेटो कीं काम करै अर उणरो ब्याव ठाठ – बाठ सूं करैला।

अेक दिन विक्रम राज महल रै आगै सूं जा रैयो हो। अचाणचकै ही उणरी निजर महल री खिड़की मांय खड़ी राजकुमारी पर पड़ी। आ राजकुमारी सुरग री अप्सरा सूं भी फुटरी। विक्रम रो जी राजकुमारी पर आयग्यो। उवो खड्यो – खड्यो राजकुमारी नै जोवतो रैयो। राजकुमारी भी उणनै देख्यो। विक्रम भी फूटरो हो। परमात्मा चावै तो दोनां गी जोड़ी खूब जचै। पण कठै राजा भोज अर कठै गंगू तेली। विक्रम मन ही मन सोच्यो कै उवो ब्याव करैगो तो राजकुमारी साथै। नीं तो आपरा प्राण त्याग देवैलो। आथणै विक्रम घरै आयो तो उण खाणो नीं खायो। उणरी मा उणनै खाणो नीं खावणै बारै पूछ्यो तो विक्रम आपरी मा नै बतायो कै उवो ब्याव करैगो तो राजकुमारी साथै ही नी तो आपरा प्राण दे देवैलो। उवो न तो कीं खावैगो अर न ही कीं पीवैगो। विक्रम आपरी मा नै राजकुमारी साथै बात करणै रो कैयो। मा विक्रम नै समझायो कै कठै तो आपां अर कठै राजकुमारी। जकी कितै ठाठ बाठ सूं रैवे। आपां नै तो अेक बगत री रोटी मिलजै तो दूजै बगत री रोटी मिलणै री आस ही कठै। पण फेर भी मा तो मा ही हुवै। बा आपरै बेटै वास्तै कीं भी कर सकै। उण विक्रम नै भरोसो दिरायो कै बा राजकुमारी सूं बात करैगी। मा नै भी ठाह हो कै आपणी अर राजकुमारी री हैसियत बराबर री नीं है। उण म नहीं मन कैयो कै उण विक्रम सूं राजकुमारी साथै बात करणै री हामी तो भर दी है, पण काम अबखो है। विक्रम री मा हौंसलो कर'र राजकुमारी कनै जाय'र बात करणै री तैवड़ी।

इण तर्यां दोगा चिंती मांय तीन दिन बीतग्या। विक्रम भी तीन दिनां सूं कीं कोनी खायो हो। विक्रम री मा हौंसलो कर'र राजकुमारी सूं मिलणै चाल पड़ी। राजकुमारी विक्रम री मा नै महल रै बारलै पासै ही मिलगी। बा घोड़ै पर सवार हुय'र घुसवारी करणै जा रैयी ही। राजकुमारी पूछ्यो मा जी किण सूं मिलणो है? मा कैयो – "बेटी, म्हैं तो थारै सूं ही मिलणै आई ही।" इतो कैय'र बा रोवणै लागगी। राजकुमारी उणनै चुप करायो। राजकुमारी उणनै समस्या बतावणै वास्तै कैयो। विक्रम री मा हौंसलो कर'र कैयो – "बेटी, म्हारो बेटो विक्रम, तीन दनां सूं कीं कोनी खायो। उण जिद कर राखी है कै उवो ब्याव करसी तो राजकुमारी सूं ही, नी तो आपरा प्राण दे देवैगो। बेटी, अबै थै ही बताओ म्हैं कै करूं। कठै तो थै अर कठै म्हैं? पण मा हूं आ बिनती लेय'र थारै कनै आई हूं।" राजकुमारी कैयो मा जी इती सी बात है कै। म्है विक्रम साथै ब्याव रो वचन देवूं हूं। उणनै कैय दैवो कै खायो तो खा लैवे। मा जी, थ्है विक्रम नै म्हारै कनै भेज देवो। म्हैं उणसूं बात कर लेस्यूं। थ्है चिन्ता नीं करो। विक्रम री मा धणै हरख मांय ही उण घरै आय'र सगळी बात विक्रम नै बता दीनीं।

अगलै दिन विक्रम राजकुमारी सूं मिलणै वास्तै राजमहल गयो। उवो राजकुमारी सूं मिल्यो। राजकुमारी विक्रम सूं पूछ्यो – "थूं म्हारै सूं ब्याव करणो चावै।" विक्रम कैयो – "हां, म्हैं थारै सूं ब्याव करणो चावूं हूं। म्हैं थारै बिनां नीं रैय सकूं।" राजकुमारी विक्रम सूं कैयो – "थूं वचन दे कै थूं म्हारै सूं ब्याव करणो चावै। पण ब्याव सूं पैलां म्हनै अेक वचन देवणो पड़सी। म्हैं कैवूं बियां करो तो म्हैं भी ब्याव रो वचन देवूं।" विक्रम राजकुमारी रो वचन पूरो करणै री हामी भर दीनीं। राजकुमारी विक्रम नै कैयो – "थ्है आपरो सिर मुंडाय'र भगवो भैष धारण कर'र, नगर रै चौराहै पर धूणी बाळ'र सात दिनां तक ध्यान मगन रैवो। धूणो बुझणो नी चाईजै। सात दिनां पछै म्हैं थारै सूं ब्याव कर लेस्यूं।" विक्रम राजकुमारी री बात मान लीनीं।

अबै विक्रम आपरो सिर मुंडाय'र, भगवो भेश धारण कर'र सैहर रै चौराहै माथै आय बैठग्यो। बठै साफ सफाई कर्यां पछै धूणो चेतन कर'र आंख्यां बन्द कर'र ध्यान लगाय'र बैठ गयो। दिन छिपणै वाळो हो। असवाड़ै पसवाड़ै रा पांच सातेक आदमी आया। उणां सोच्यो नूंवों साधु आयो है। उणां उणरी सायता करणै री तेवड़ी। बै कीं लकड़ी ल्याया अर धूणा नै चेतन राख्यो। दूजै दिन आस पास रै मोहल्ले रा लोग आवणै लागग्या। बठै छियां पाणी रो प्रबन्ध करीज्यो। लोगां बठै प्रसाद, खोपरा, घी आद चढ़ावणो सरू कर दीनों। तीसरै दिन तक तो साधु री बात दूर तक फैलगी। साधु आपरै ध्यान मांय मगन हो। चौथे दिन तक आस पास रै गांवां रा श्रद्धालू आवणै लागग्या। बठै भीड़ लागणी सरू हुयगी। भीड़ नै काबू मांय करणै वास्तै पुलिस रो इन्तजाम करीज्यो। बठै भोजन री व्यवस्था हुवणै लागगी। इण तर्यां छठै दिन तक तो भीड़ रो कोई अन्दाजो ही कोनी रैयो।

इयां सातवें दिन तक साधू री तपस्या रो समाचार राजा तक पूगग्यो। राजा रा मन्त्री राजा नै सलाह दीनीं कै राजा नै भी साधु रा दर्शन करणा चाईजै अर आशीर्वाद लेवणो चाईजै। कठैई राजा रै नीं जावणै सूं साधु श्राप नीं दे देवै। सातवें दिन राजा आपरै परिवार साथै साधु रा दर्शन करणै पूग्यो। भीड़ नै काबू मांय करीजी। राजा साधु सामणै दण्डवत् हुयग्यो अर कैयो – "महाराज, सगळो कीं थारो है, म्हारै पर किरपा राखज्यो। जो थ्है मांगस्यो देवणै नै तैयार हूं।" साधु बण्यौड़ो विक्रम सो कीं सुणै हो। राजकुमारी विक्रम कनै गई अर उणरै कान मांय कैयो – "अबै मौको है जको कीं मांगणो है मांग लै। राजा राजपाट तक दैवणै नै तैयार है।" विक्रम आंख्यां खोली अर सो कीं समझग्यो। उण राजा ने दण्डवत् देख्यो। अबै तो विक्रम री ब्याव करणै अर घर बसावणै री इच्छा ही नीं रैयी। उवो साधु बणग्यो हो। उण अपणै जीवन रो उदेस परमात्मा री भगती मांय ही लगावणै रो निरणै करयो। अबै उणरी ब्याव करणै री काई इच्छा नीं ही।

विविध

₹५ करोड़ ऑफर, लेकिन नहीं हटाया घूंघट

लोक गायिका भंवरी देवी से खास बातचीत

लोक गायिका भंवरी देवी ने राजस्थान के संगीत को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। जीवन में आने वाली हर कठिनाईयों के बावजूद उन्होंने गाना नही छोड़ा। भंवरी देवी ने बचपन में अपने पिता से गाना सीखा था। १२ वर्ष की उम्र में ३५ वर्ष के व्यक्ति के साथ शादी हुई। पति के साथ फड़ गाना शुरू किया।

सवालः ***कोक स्टूडियो तक पहुंचने का सफर कैसा रहा?***

जवाबः २००७ में जोधपुर में परफॉर्म किया था। वहां राम संपत, सोना महापात्रा और रेखा ने हमारा शो देखा। कुछ दिनों बाद वो हमारे घर आए और कोक स्टूडियो में गाने का मौका दिया। स्टूडियो हमारे लिए एकदम नई दुनिया थी, जिससे हम पूरी तरह अनजान थे। उन्होंने सब सिखाया। वहां 'कट्टे' गाना गाया। वहीं, २०१४ में 'छड़' गाना गाया। मेरा बेटा गाने लिखता है और मैं गाती हूँ।

सवालः ***पति के देहांत के बाद जब वापस गाना शुरू किया, तो किस तरह की चुनौतियों आई?***

जवाबः ६ वर्ष के बेटे कृष्ण के साथ वापस गाना शुरू किया। उस वक्त लोग ताने मारते थे। बाहर जाने से रोकने की कोशिश करते और लांछन लगाते, तो कई बार मुझे रोने पर मजबूर कर देते थे। लेकिन मैंने हिम्मत नहीं हारी। आज वही लोग तारीफ करते हैं।

सवालः ***फड़ बांचने की परंपरा खत्म होने के कगार पर है, सरकार से क्या मांग है?***

जवाबः फड़ बांचने की परंपरा खत्म होती जा रही हैं। सरकार इस परंपरा व संस्कृति को बचाने के लिए कोई काम शुरू करें। हमारा सहयोग करें, ताकि हम आने वाली पीढ़ी को इससे रूबरू करा सकें। कई बार हमें शो के लिए ५० हजार रुपए में बुलाया जाता हैं। लेकिन देते सिर्फ ३० से ३५ हजार रुपए ही हैं।

सवालः ***आप हमेशा घूंघट में ही गाती हैं, कभी इसे हटाने के बारे में सोचा?***

जवाबः हम इंडियन आइडल में गए थे। वहां पर जज ने घूंघट हटाने के लिए कहा, लेकिन मैंने माना कर दिया। हमारे राजस्थान की परंपरा है इसे मैं छोड़ नहीं सकती हूँ। ५ करोड़ रुपए ऑफर किए, लेकिन मैंने घूंघट हटाने से मना कर दिया।

सवालः ***पहली बार जब विदेश में गाना गाने गई तो कैसे लगा?***

जवाबः जब पहली बार फ्लाइट में बैठी तो रोने लगी। क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि ये कैसे चल रही हैं। मुझे लगा मैं मर जाऊँगी। विदेश की भाषा, संस्कृति सब अलग हैं। शुरुआत में डर और घबराहट हुई। विदेशों में लोग बड़े ध्यान से सुनते हैं। वहां पर शोर शराबा नहीं होता हैं। लोग धुन और आवाज की तारीफ करते हैं।

(संकलित)

विविध

आप की योजना

कितनी भी आय हो 70+ को मिलेगा ५ लाख का इलाज

देशभर में आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके जरिए ७० या उससे अधिक उम्र वाले लोगों का ५ लाख रुपए तक का इलाज आयुष्मान में रजिस्टर्ड किसी भी निजी और सरकारी अस्पताल में करा सकते हैं। इसका लाभ हर वर्ग व आय के वरिष्ठजन ले सकते हैं। इसकी एक और खास बात ये है कि पहले से परिवार का आयुष्मान कार्ड बना हो तब भी ७० से ज्यादा उम्र वालों को ५ लाख का अतिरिक्त कवर मिलेगा।

कैसे और कहां बन रहा है यह कार्ड

यह कार्ड कई तरीकों से बनवा सकते हैं। पात्र व्यक्ति सूचीबद्ध अस्पताल से निःशुल्क कार्ड बनवा सकते हैं। घर बैठे ऑनलाइन भी बन जाएगा। इसके लिए आयुष्मान एप डाउनलोड करें या सरकार की वेबसाइट www.beneficiary.nha.gov.in पर जाएं। उसमें आरोग्य योजना फॉर सीनियर सिटीजन विकल्प चुनें, जहां पर कार्ड बनाने की सारी प्रक्रिया होगी।

इस कार्य के बारे में अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर १४५५५ पर कॉल कर सकते हैं या १८००११०७७० पर मिस्ड कॉल दे सकते हैं।

१० लाख का इलाज भी हो सकता है

परिवार में कोई सदस्य ७० साल से ज्यादा उम्र का है और उनका पहले से ही आयुष्मान कार्ड है। अब यदि वह वय वंदना कार्ड बनवाते हैं तो १० लाख रुपए तक का इलाज सरकारी भुगतान पर मिल सकेगा।

वे बातें, जो आपको जानना जरूरी है

मेडिक्लेम पॉलिसी की तरह पूरा इलाज कैशलेस हो जाएगा। भुगतान सरकार करेगी।

आयुष्मान में रजिस्टर्ड निजी अस्पताल में आयुष्मान हेल्प डेस्क होती है, जो इलाज कराने में मदद करेगी।

बीमारियों के हिसाब से अलग-अलग कैटेगरी के अस्पताल आयुष्मान में रजिस्टर्ड हैं, जहां इलाज होगा।

कौन-सी बीमारियों का इलाज इस कार्ड के जरिए हो सकेगा, इसकी सूची भी सरकार ने तय कर रखी है।

अस्पतालों की लिस्ट देखें: आयुष्मान की वेबसाइट https://pmjay.gov.in/ पर जाएं। PMJAY for 70+ पर क्लिक करें। इसमें list of Empanelled Hospital पर क्लिक करें। इससे आप दूसरी साइट पर पहुंच जाएंगे, जिसमें Pin Code, जिले या Facility Name/Advance Search से अस्पताल का नाम ढूंढ सकते हैं।

सिर्फ आधार से बन जाएगा यह कार्ड

आधार में दर्ज जन्म तिथि के आधार पर ही आयुष्मान वय वंदना कार्ड बन जाएगा। अन्य दस्तावेजों की जरूरत नहीं है। कॉमन सर्विस सेंटर से भी इसे बनवा सकते हैं।

जानकारी योजना से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक।

(संकलित)

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री एस. ओम प्रकाश जोशी श्री कोली अपार्टमेंट कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री सागा सिंह राजपूत** मे. नेशनल मेटल्स, संबा मुर्ति रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री शैलेष कुमार अग्रवाल** मे. खाटू मार्केटिंग,मुदूली जगन्नाथ स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री संदीप अग्रवाल** मे. श्री जगदंबा इंटरप्राईजेज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री संदीप कुमार सैन** २७-३७-१४/डी, होटल मनोहरा, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
श्री संजय टांटिया २७-४-३०, द्वितीय तल, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री संजय कुमार मेहता** साउथ एवेन्यु, सिद्धार्थ नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री संजय कुमार टिकमानी** सांई सदन अपाप्टमेंट, पुराना जेल रोड, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री सतीश कुमार खण्डेलवाल** मे. सतीश बदर रोड, पतिबंदलाबाड़ी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री सतीश लाखोटिया** १२-६-२२, हरि स्ट्रीट, तारापेट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
श्री सत्यनारायण जालान मे. हे किड्डो, मेन रोड, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री शैलेष कुमार टक** सांई पार्वती प्राइड अपार्टमेंट, न्यु कालोनी, श्रीकाकुल्लम, आंध्र प्रदेश	**श्री शंकर राम चौधरी** मे. अंजना स्पेयर पार्टस, वाईजग, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री शंकर राम चौधरी** में श्री पटेल इंटरप्राईजेज, गवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री शरद कुमार जाखोटिया** मे. सीताराम जाखोटिया एंड संस, कैनल रोड, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
श्री शिव सिंह राजपुरोहित १२-२-२३१, लीला निवास, बी.आर. पी. रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री श्रवण कुमार सुंथार** सीता रामपुरम, विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री श्रवण सिंह राजपूत** में विष्णु आप्टिकल्स, झंड़ा स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री श्रवण सिंह राजपुरोहित** मे. नीलकंठ आप्टिकल्स, इल्लुरु रोड, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री श्याम सिंह बालावत राठौर** मे. विश्वजीत ऐड कम्पनी, तारापेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री श्याम सुंदर संघाई मे. पुष्पा ट्रेडर्स, शॉप नं.-१४४, बाईपास रोड, आंध्र प्रदेश	**श्री सीताराम शर्मा** ज्योति थिएटर रोड, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री सोकलचंद सोलांकी (माली)** ११-४०-१४, पुलीपती वारी स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री शाँवल लाल राजपुत** मे. मोबाइल एक्सेसरी, ए.वी. टावर, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री सुभाष चंद्र गुप्ता** मे. वि.के. पालीमर्स, ऑटो नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री सुखा राम चौधरी मे. जि.पि.एस. ग्रेनाईट, श्रीकाकूलम, आंध्र प्रदेश	**श्री सुनील कुमार गुप्ता** मे. श्री हरी ओम स्टिल ट्रेडर्स, विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री सुनील कुमार राठी** मे. बालाजी हाएंड्री लिफ्टिंग ऐड हार्डवेयर, विशाखापट्नम, आंध्र प्रदेश	**श्री सुरेन्द्र कुमार** पांडिया सीटस भावनारायण, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री सुरेश कुमार चौधरी** २७-२३-१९ए, गोपाल रेड्डी रोड, गवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री सुरेश कुमार जैन मे. विमल इलेक्ट्रिकल, ब्राहमिन स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री सुरेश कुमार राजपुरोहित** मे. मटेसवानी मार्केटिंग, वेधी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** मे. श्री श्याम प्लास्टिक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री सुथार मांगिलाल** ११-२४-२१/२, भावनारायण स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री सुथर सावलचंद** मे. मोहन ईन्टरप्राइज, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
श्री तारा चंद खत्री मे. जगदीश वारी लाइट हाउस, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री ठाकुर कालू सिंह** ओम सिल्वर प्लेस, जय हिंद कॉम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री थाना राम राजपुरोहित** मे.महादेव टेलिकॉम, नियर गोपाल रेड्डि रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री उत्तम चंद सुथर** वन टाउन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री वाला राम माली** मे. गायत्री मोबाइल एक्सेसरिज विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री वासनाराम देवासी ११-४९-९५ सिवल्लम स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री विजय कुमार जैन** मे. भंडारी एण्ड कं., विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री विजय कुमार लिखमानिया** मे. श्री जम्वाई माता ट्रेडर्स, ऑटो नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री विजय कुमार मिश्रा** एन.टि.आर. डिस्ट्रीक्ट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री विजय कुमार मित्तल** फिट रोड, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री विकास अग्रवाल ए.एस.बी. नरसिंहपल्ली, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री विक्रम कुमार सेन** धनलक्ष्मी नोवॅल्टी, जुला साहिब स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री विनीत लोहिया** मे. सुप्रीम रोक्सिन हाऊस, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री विनोद कुमार गुप्ता** मे. किरण प्लास्टिक, जे ऑटो नगर, विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री विनोद कुमार राजपुरोहित** गुरु रतना जेम टेस्टिंग लैब, हिलटोन टॉवर, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
श्री विनोद कुमार सोमानी मे. अरविंद एण्ड को., विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री विशाल कुमार जैन** मे. विशाल कुमार भांसल परतिक्सा बिल्डिंग, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री विष्णु कुमार अग्रवाल** शॉप नं.-१, डी. टाउन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री विट्ठल प्रसाद लोया** मे. साई कलावती ट्रेडर्स, वृन्दावन कॉलोनी, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री योगेश कुमार शाह** मे. श्याम मार्केटिंग, के.बी. स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री निर्मल वर्मा मे. श्री सिद्धि विनायक टि फार्म, अलिमूर, डिब्रुगढ़, असम	**श्रीमती निर्मला गोयल** ईन्द्रा विला हॉउस, नारायण नगर, कुमरपाड़ा, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती निर्मला गोयल** लक्ष्मी निवास बिल्डिंग, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती निर्मला जागिड़** एच.एम. अपार्टमेंट, एस.जे. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती निर्मल जोशी** मेन रोड, बंदरदेवा, लखीमपुर, असम
श्रीमती निर्मला मित्तल मित्तल सदन, पोस्ट ऑफिस लेन, गुवाहाटी, असम	**श्री निरू अग्रवाला** स्टेशन रोड, पी.ओ. सिमलागुड़ी, शिवसागर, असम	**श्रीमती निशा अग्रवाल** बाई लेन नं.-९, लचित नगर, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती निशा बावरी** रामनरायण बासुदेव, फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्री निशान अग्रवाल** पो. - नामरूप, डिब्रूगढ़, असम
श्री नितेश जैन पो.- होजाई, नगांव, असम	**श्री नौरतन मल बोकारियाँ** मे. कामाख्या ट्रेडिंग कं., नगांव, असम	**श्री ओम प्रकाश चोखानी** ए.टी. रोड, पी.ओ.-माकुम तिनसुकिया, असम	**श्री ओम प्रकास कनोई** ए.टी. रोड, पी.ओ. माकुम तिनसुकिया, असम	**श्री ओम प्रकास सोमानी** वार्ड नं.-७, डेरगांव असम
श्री ओम प्रकास लुनावत चौक बजार, वार्ड नं.-१२, धुबरी, असम	**श्री पदम सेठिया** एच.बी. रोड, मस्जिद गली, फैंसी बजार, गुवाहाटी, असम	**श्री पंकज अग्रवाला** मे. गणपती इलेक्ट्रिकल्स ए.टी. रोड, डिब्रूगड़, असम	**श्री पंकज भिमसरिया** मे. फर्माकॉन एसोसिएट्स, पैन बजार, गुवाहाटी, असम	**श्री पंकज कुमार मारोठी** एच.एम. रोड, वार्ड नं.-७ धुबरी, असम
श्री पराग लोहिया क्रिश्चन बस्ती, जि.एस. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री परमेश्वरलाल मोर** वार्ड नं.-१, शिवसागर, असम	**श्री परशुराम केजरीवाल** ए.टी. रोड, पी.ओ.-माकुम, तिनसुकिया, असम	**श्रीमती पार्वती बिड़ला** आस्था अपार्टमेन्ट, ४सी, सुगहपुर, रेहाबरी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती पार्वती देवी हरलालका** महावीर अपार्टमेंट, नारायण नगर, कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम
श्री पवन अग्रवाल ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री पवन भीमसरिया** होजाई, नगांव, असम	**श्री पवन गोदुका** पो.- सोनारी, शिवसागर, असम	**श्री पवन कुमार अग्रवाला** मे. तिरुपति ट्रेडर्स, डिब्रूगड़, असम	**श्री पवन कुमार बगड़िया** मे. अजंता उद्योग, पो.- हैबरगांव, नगाँव, असम
श्री पवन कुमार भट्टड़ मेघराज पवन कुमार, पी.एच. सि.जी. पथ, डेरगाँव, असम	**श्री पवन कुमार लुनावत** चौक बजार, वार्ड नं.-१२, धुबरी, असम	**श्री पवन कुमार मोदी** ए. टी. रोड, पो.- माकुम, तिनसुकिया, असम	**श्री पवन कुमार सेठिया** अरिहंत कॉलोनी, पो.- हैबरगाँव, नगांव, असम	**श्री पवन कुमार शर्मा** ए.टी. रोड, पो.- टिऔक, जोरहाट, असम

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री पवन कुमार सिंघल थाना रोड, चिनापट्टी, तिनसुकिया, असम	**श्री पवन कुमार तिवारी** मे. हर्ष ट्रेडिंग कंपनी, सोनारी रोड, शिवसागर, असम	**श्री पवन शर्मा** पो.- लेंगीबोर, शिवसागर, असम	**श्रीमती पिंकी हवेलीया** नारायण नगर, कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम	**श्री पिंकू अगरवाला** वार्ड नं.-२, शिवसागर, असम
श्रीमती पूजा गाड़ोदिया फैन्सी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती प्रभा बुराकिया** केदार रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री प्रभात क्याल** पो.- होजाई, नगांव, असम	**श्री प्रभु दयाल पंसारी** पो.- होजाई, नगांव, असम	**श्री प्रदीप खदरिया** मे. एस. एस. के. टी. कं. प्रा. लि., डेरगाँव, असम
श्री प्रदीप अग्रवाल मे. लक्ष्मी इंटरप्राइजेज, डिब्रूगढ़, असम	**श्री प्रदीप अगरवाला** जयपुर रोड, डिब्रूगढ़, असम	**श्री प्रदीप काबरा** मे. काबरा ब्रदर्स, डेरगाँव, असम	**श्री प्रदीप कुमार नाहटा** मे. ईस्टलैंड कंक्रीट इंडस्ट्रीज, गुवाहाटी, असम	**श्री प्रदीप मस्कारा** स्टेशन रोड, शिवसागर, असम
श्री प्रदीप पारीक बोंगाईगांव, असम	**श्री प्रकाश अग्रवाल** पो.- नामरूप, डिब्रूगढ़, असम	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** मारवाड़ी पट्टी, छापरमुख, असम	**श्री प्रकाश कुमार पोद्दार** पो.- माकुम, तिनसुकिया, असम	**श्री प्रमोद बाजोरिया** पो.- सोनारी, शिवसागर, असम
श्री प्रमोद बेरीवाल डीकॉम बाजार, डिब्रूगढ़, असम	**श्री प्रमोद हरलालका** मे. हरलालका रोडलाईन्स, एस.जे. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री प्रमोद जितानी** पो.- नहरकटिया, डिब्रूगढ़, असम	**श्री प्रमोद कुमार तोदी** द्वारा-पी. के. तोदी एण्ड सन्स, डिब्रूगढ़, असम	**श्री प्रसन्ना कुमार केशन** मे. केशन इंडस्ट्रीज, तिनसुकिया, असम
श्री प्रवीण अग्रवाल पो.- नाहोलिया, डिब्रूगढ़, असम	**श्रीमती प्रेमलता खण्डेलवाल** जू रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती प्रीती शर्मा** मे. आर. एस. ड्रग स्टोर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश	**श्रीमती प्रियंका अग्रवाल** मे. इको सेल्स एण्ड एजेंसी, लखीमपुर, असम	**श्रीमती प्रियंका बजाज** अक्सीप्राईड, फाटामिल, गुवाहाटी, असम
श्रीमती प्रियंका चाण्डक ए. टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती पूनम अग्रवाल** मे. गणेश स्टोर, धुबरी, असम	**श्री पूनीत कुमार केजरीवाल** ए. टी. रोड, तिनसुकिया, असम	**श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल** डेली बाजार, तिनसुकिया, असम	**श्री पुरुषोत्तम अगरवाला** मे. सनतक टी एस्टेट, शिवसागर, असम
श्रीमती पुष्पा देवी शर्मा मे. माँ कामाख्या स्टोर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश	**श्रीमती राधा अगरवाला** लचित नगर, गुवाहाटी, असम	**श्री राधेश्याम शर्मा** मे. पारीक ट्रेडिंग को., ए. टी. रोड, शिवसागर, असम	**श्री राहुल कुमार बजाज** मे. रितुश्री साड़ी कलेक्शन, लोहिया मार्केट, गुवाहाटी, असम	**श्री राज कुमार अगरवाला** पो.- डिकॉम, डिब्रूगढ़, असम
श्री राज कुमार बजाज पो.-बोगाईजान, तिनसुकिया, असम	**श्री राज कुमार जैन** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री राज कुमार जैन** द्वारा–जैन क्लॉथ स्टोर, डिब्रूगढ़, असम	**श्री राज कुमार जाजोदिया** द्वारा–जाजोदिया एवेन्यू, बरपेटा, असम	**श्री रजत कुमार अग्रवाल** दोदो बाजार, तिनसुकिया, असम
श्री राजेन्द्र चिप्पा शिवसागर, असम	**श्री राजेन्द्र कुमार सुरेका (क्याल)** एम. जी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री राजेन्द्र प्रसाद जालेवाल** बी. बी. रोड, बरपेटा, असम	**श्री राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित** शिवसागर, असम	**श्री राजेश अग्रवाल** शिवसागर, असम
श्री राजेश अगरवाला मे. राजेश इलेक्ट्रिक्लस, ए. टी. रोड, डिब्रूगढ़, असम	**श्री राजेश अग्रवाल** वार्ड नं.- ६, बरपेटा, असम	**श्री राजेश बाकलीवाल** पो.- नामरूप, डिब्रूगढ़, असम	**श्री राजेश कनोई** ए. टि. रोड, तिनसुकिया, असम	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. जे. पी. ट्रेडर्स, तिनसुकिया, असम
श्री राजेश कुमार जैन (बागरा) बोंगाईगांव, असम	**श्री राजेश कुमार मोदी** कृष्णनगर, तिनसुकिया, असम	**श्री राजेश कुमार पोद्दार** ए. टी. रोड, चिनापट्टी, तिनसुकिया, असम	**श्री राजेश पुरोहित** पो.- नामरूप, डिब्रूगढ़, असम	**श्री राजगोपाल बिहाणी** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम
श्री राजकुमार साहेवाला बाजार रोड, शिवसागर, असम	**श्रीमती रजनी गाड़ोदिया** भरालमुख, गुवाहाटी, असम	**श्री राकेश जैन** पो.- होजाई, नगाँव, असम	**श्री राकेश कुमार सुरोलिया** गंगा बाड़ी, तिनसुकिया, असम	**श्री राम अवतार सोमानी** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम
श्री राम गोपाल तापड़िया लेडी बाजार, तिनसुकिया, असम	**श्री राम प्रकाश भट्टड़** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्रीमती रमा चाचन** जनपथ लेन, गुवाहाटी, असम	**श्री रामअवतार बिहाणी** ए. टी. रोड, जोरहाट, असम	**श्री रामअवतार गोयल** द्वारा-पूर्वांचल गिलास एण्ड हार्डवेयर, डिब्रूगढ़, असम
श्री रमेश अग्रवाल पो.- नाहोलिया, डिब्रूगढ़, असम	**श्री रमेश कुमार जैन** गांधी नगर, नगाँव, असम	**श्री रमेश वर्मा** पो.- डिकॉम, डिब्रूगढ़, असम	**श्री रामअवतार अगरवाला** मे. बालाजी ग्लास सेंटर, डेरगांव, असम	**श्रीमती रंजना सारदा** छत्तीबाड़ी, गुवाहाटी, असम
श्रीमती रंजू चाण्डक ए. टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री रंजू बररिया** ए. टी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रंजू खातेड़** उल्लुबाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रंजू पटवारी** मे. असम वैली केरियल्स, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रश्मी जसराजरिया** मे. वी. के. ट्रेड सेन्टर, गुवाहाटी, असम
श्रीमती रसिका देवड़ा टी. आर. पी. रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रेणु अग्रवाल** फैसी बाजार, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रेणु प्रजापत** पापुम पेयर, बंदा देवा, अरुणाचल प्रदेश	**श्रीमती रेणु सुराना** अरिया नगर, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रिद्धि केडिया** आनंद कुंज, गुवाहाटी, असम
श्री रिद्धकरण अगरवाला ए. टी. रोड, डिब्रूगढ़, असम	**श्रीमती रिंकू छाबड़ा** केदार रोड, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती रिंकू खेमका** वार्ड नं.- ५, बरपेटा, असम	**श्रीमती रिता अग्रवाल** लोखरा रोड, गुवाहाटी, असम	**श्री रितेश कुमार केजरीवाल** ए. टी. रोड, तिनसुकिया, असम

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll-free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com |
We are also available at: amazon | Flipkart | JioMart
SCAN & EXPLORE

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 5th May, 2025
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com